उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
माहः अप्रेल 2018 से मार्च 2019 तक

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	आयवर्द्धन कार्यक्रम	3—11
2	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम, आरकेसीएल, आशा किरण एवं उरमूल स्कूल	12—15
3	प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास (ECCD) समेकित बाल विकास परियोजना	16—20
4	स्वास्थ्य कार्यक्रम राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम (आर.एस.आई.पी)	20—25
5	बाल सुरक्षा एवं बाल भागीदारी कार्यक्रम (ROC & Governance) चाईल्ड हेल्पलाइन 1098	25—29
6	पानी, सफाई व स्वच्छता कार्यक्रम (WASH)	29—31
7	नेशनल लेवल मॉनिटरिंग	31
8	स्पोन्सरशिप कार्यक्रम	32—33

कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट

आजीविका कार्यक्रम– कशीदाकारी

2018–19 में उरमूल सीमांत समिति द्वारा संचालित आयवर्धन कार्यक्रम नवाचार का वर्ष रहा। इस वर्ष न केवल महिलाओ को कशीदाकरी में प्रशिक्षण और काम मिला बल्कि आई.जी.पी ने कई नये गाँवों में क्राफ्ट और बंधेज का कार्य प्रारम्भ किया है।

इस वर्ष की आईजीपी की आर्थिक स्थिति इस प्रकार है–

क्र.सं.	विवरण	राशि (2018–19)
1	बिक्री	60,38,805
2	माल वापसी	20,45,264
3	शुद्ध बिक्री	39,93,541
4	ऑर्डर मिला	33,05,591
5	प्रारम्भिक देनदार शेष राशि	18,77,972
6	अन्तिम देनदार शेष राशि	12,80,071

इस वर्ष बढ़ते खर्चे और कम बिक्री को देखते हुए आईजीपी ने प्रदर्शनी पर जोर कम किया है और दुकानों के द्वारा बिक्री को बढाने का कार्य किया है। उरमूल का सामान अब इन शहरों में उपलब्ध है।

- दिल्ली
- जयपुर
- बंगलौर
- दुबई
- चेन्नई

इस साल बी 2 बी ऑर्डर पर भी जोर दिया गया है जिन पार्टियों के नाम इस प्रकार हैं–

पार्टी का नाम	आर्डर रकम
रंगसूत्रा	2364239.00
ओखाई इण्डिया	664316.00
आर. ए. स्टूडियो	62908.00
इन्द्रधनुष, जयपुर	19844.00
गॉधी स्मृति एण्ड दर्शन समिति, नई दिल्ली	194284.00

इस वर्ष आईजीपी का कार्य क्षेत्र इस तरह है–

INCOME GENERATION PROGRAMME - WORK AREA						
CRAFT	**VILLAGE**	**NO. OF ARTISANS**	**EMB. GRADE**	**APPLIQUE GRADE**	**TIE-DYE GRADE**	**STITCHING GRADE**
SUF	1BD/ SHIVNAGAR	10	A		-	-
SUF		20	B	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	DELI TALAI	30	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	2AD - CHANDANI	60	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	2AD - CHAIRMAN	30	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	6AD	20	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	7AD	40	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	8AD	20	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA		10	B	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	9AD	15	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	2DO	70	A	-	-	-
SINDHI / LATTHA / CHUN / MIRROR	DANDKALA	50	A	-	-	-
SINDHI / LATTHA / CHUN / MIRROR/ TASSLES	GOKUL	30	B	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	JODHASAR	16	B	A	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE/ TASSLE	BANDHALI	40	C	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE/ TASSLE	BHALURI	40	C	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	14AD	30	C	B	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	4KMW	30	B	B	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	ADURI	10	C	B	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	PARVATI TALAI	20	C	C	-	-
CHUN / KACCHA /APPLIQUE/ TASSLE	PUGAL	20	C	-	-	-
TIE-DYE	KAAVNI	40	-	-	C	-
TIE-DYE	NAL	20	-	-	B	-
TIE-DYE	NAL	20	-	-	C	
TIE-DYE	LAKHUSAR	30	-	-	C	-
TIE-DYE	JHALWALI	30	-	-	C	-
STITCHING	GHANTIYALI	10	-	-	-	A
STITCHING/CROCHET/TASSLES	NAPASAR	10	-	-	-	B
Total		**771**				

आईजीपी के देनदारों की सूचीः–

Sr. No.	Sundry Debtors	Amount
1	Aarohi Shop, New Delhi	146421.00
2	Afwwa Naal, Bikaner	4365.00
3	Minar International	372,426.00
4	Okhai (Gujarat)	161463.00
5	Dharmender Kumar S/o Sanga Ram	55270.00
6	Gandhi Smriti & Darshan Samity	19449.00
7	Indradhanush (Jaipur)	3410.00
8	Nadeem,Delhi	1364.00
9	Rangsutra Craft India Ltd	445052.00
10	Ritu Agnihotri	17,242.10
11	Pratha hararika	6306.00
12	Ramesh Saran	2555.00
13	RA Studio	19755.00
14	Sahin Indulkar	2670.00
15	Sumita Ji	2520.00
16	Swadesh Weaves & Craft	18000.00
17	Vinod Ji	1803.00
	Total	**1280071.00**

आईजीपी को इन लोगों को भुगतान करना है–

Sr. No.	Sundry Creditors	Amount
1	डेजर्ट क्राफ्ट ट्रस्ट	1,28,198.00
	योग	**1,28,198.00**

- **प्लान के सहयोग से आजीविका गतिविधियों का विवरण**

क्र.सं	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड
1	बकरी पालक समूह सदस्यों के साथ बकरी पालन विकास समिति का गठन	1	117	57
2	एक्सपोजर विजिट	2	126	21
3	कौशल विकास प्रशिक्षण			
	(ए) 15 दिवसीय सिलाई, कटिंग व डिजायन प्रशिक्षण	3	90	53
	(बी) 7 दिवसीय फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण	1	31	25
	(सी) 15 दिवसीय ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण (मई 2018)	1	33	27
	(डी) 7 दिवसीय ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण (जनवरी 2019)	2	55	32
	(ई) 30 दिवसीय टाई एण्ड डाई प्रशिक्षण	1	20	03
4	क्लस्टर स्तरीय स्वयं सहायता समूह लेखा संधारण एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण	4	119	20
5	बकरी पालक समूहों के साथ नस्ल सुधार, स्वास्थ्य प्रबन्धन, उचित आवास व आहार व मार्केटिंग विषयक दो दिवसीय प्रशिक्षण	27	776	154
6	बकरी पालक समूहों के साथ एक दिवसीय आजीविका प्लान प्रशिक्षण	20	228	52
7	5 दिवसीय पशु सखी प्रशिक्षण, बज्जू	1	15	5
8	पीयू स्टाफ के साथ समीक्षा एवं नियोजन बैठक, बज्जू	1	33	0
9	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजन–2019	1	245	46

1. **बकरी पालक परिवारों (समूह सदस्यों) के साथ बकरी पालन विकास समिति का गठनः** परियोजना क्षेत्र के गड़ियाला क्लस्टर के गांवों में जो स्वयं सहायता समूह, बकरी पालन आधारित आजीविका कार्यक्रम के तहत् इस वर्ष चयन किये गये हैं, उनकी बकरी पालन विकास समिति गठित करने के उद्येश्य से माह अप्रेल 2018 में गिराजसर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर बैठक आयोजित की गई।
   बैठक में गड़ियाला, पेथड़ासर, शंभु का भुर्ज, नोखड़ा व गोविन्दसर गांव के 15 समूहों की 117 महिलाओं ने भाग लिया। एमपावर परियोजना के बाबूराम ने उपस्थित महिलाओं को बकरी पालन से होने वाले लाभ, बकरियों के रखरखाव आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। बैठक के दौरान 11 सदस्यीय बकरी पालन विकास समिति का गठन किया गया। इस समिति में नोखड़ा के भोमिया जी समूह की मगीदेवी को अध्यक्ष एवं पेथड़ासर के पेथड़ासर समूह की श्रीमती मोहिनी देवी को कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया।
2. **एक्सपोजर विजिटः** राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में लगभग सभी गांवों में बकरी पालन किया जा रहा है। बकरी पालन के माध्यम से गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सकता है क्योंकि बकरियों के पालन, रखरखाव व उन पर होने वाला खर्चा बहुत कम होता है व ग्रामीण परिवार आसानी से वहन कर सकते हैं। इसी उद्येश्य को ध्यान में रखकर संस्था द्वारा प्लान इण्डिया के साथ मिलकर इस वर्ष परियोजना क्षेत्र के 150 समूहों का चयन करके परिवारों को बकरी पालन के प्रति प्रशिक्षित करने का कार्य किया गया है और इसके अन्तर्गत एक बकरी पालन विकास समिति का गठन भी किया गया है। संस्था के ही एमपावर परियोजना के तहत् जोधपुर जिले के बाप ब्लॉक में 3–4 सालों से महिला समूहों को बकरी पालन से जोड़ने का कार्य किया गया है। इसी कार्य को देखने, समझने एवं अपने समूहों में इसको आगे बढाने के उद्देश्य से महिलाओं का एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया।

   दिनांक 5 मई 2018 को झझू, सियाणा, नेणिया, बाला की गोल, दासौड़ी व चिमाणा की 57 महिलाओं को चाखू में एवं दिनांक 7 मई को गोविन्दसर, गड़ियाला, पेथड़ासर, शंभु का भुर्ज व नोखड़ा के महिला समूहों की 57 महिलाओं को जाम्बा में संचालित बकरी पालन कार्यक्रम की एक्सपोजर विजिट करवाई गई। एक्सपोजर विजिट में विभिन्न समूहों की कुल 114 महिलाओं व संस्था के 7 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। साथ में क्षेत्र के प्लान स्टाफ ने भी भाग लिया।
   विजिट के दौरान संस्था के एमपावर परियोजना के कार्यक्रम समन्वयक नगेन्द्र माथुर ने परियोजना के उद्येश्यों के बारे मे जानकारी दी। किस प्रकार कम खर्चे में बकरी पालन किया जा सकता है और बकरी पालन से होने वाले फायदे, बकरियों में होने वाली बीमारियां जैसे खुरपका, मुंहपका, हैजा, दस्त, पेट में कीड़े (अन्तःकृमि व बाहयकृमि) व आफरा आदि व उनका उपचार, पशु सखी के कार्य, राजस्थान में बकरियों की विभिन्न नस्लें जैसे जकरानी, मारवाड़ी व सिरोही नस्लों की पहचान व उनके पालन के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा बकरियों के आवास, मौसम के अनुसार बकरियों की देखभाल आदि के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया।
   बकरों का बधियाकरण– ढाई से 3 माह तक के बकरे का बधियाकरण करवा लेना चाहिये। बधियाकरण के लिये प्लास से चीरा लगाते हैं इसमें न तो चीरा लगता है। बधियाकरण से बकरों की कीमत बढ जाती है। सिरोही नस्ल का बकरा– 30 से 40 बकरियों के बीच सिरोही नस्ल का एक बकरा होना चाहिये। इसके बाद बकरी पालन से विभिन्न तरीकों से होने वाली आय जैसे बकरे, दूध व ऊन बेचकर किस प्रकार महिलायें अपनी आय बढा सकती हैं, के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

पशु सखी— 35 लोगों के बीच एक पशु सखी होती है जो प्रतिदिन दो घरों की विजिट करती हैं। पशु सखी का परिवारों में मुख्य कार्य बकरियों के बाड़े का रखरखाव, साफ सफाई, बकरियों के स्वास्थ्य, प्राथमिक उपचार आदि के बारे में जानकारी देना है। इसके बाद वहां के सी.एल.एफ बाबूलाल ने बकरियों के प्राथमिक उपचार व आयुर्वेदिक दवाओं के बारे में विस्तारपूर्वक प्रस्तुतिकरण किया

3. **कौशल विकास प्रशिक्षणः** ज्यादातर गांवों में जहां 8वीं कक्षा तक के विद्यालय है, वहां बालिकायें 8वीं कक्षा उतीर्ण करके अपनी पढाई छोड़ देती हैं। यही खास कारण है कि इस क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष छोटी उम्र में ही बालिकाओं की शादी कर दी जाती है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा प्लान इण्डिया के सहयोग से ऐसी बालिकाओं, जिन्होंने बीच में पढाई छोड़ दी, के साथ कौशल विकास के प्रशिक्षणों के माध्यम से उनको प्रशिक्षित करके उनकी कौशल क्षमता बढाने के लिये माह अप्रेल व मई 2018 में कौशल विकास के तहत् सिलाई व ब्यूटीपार्लर जैस प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इसके लिये विभिन्न गांवों में संस्था के कार्यकर्ताओं ने घर घर सम्पर्क करके ऐसी 14 से 18 वर्ष की बालिकाओं को चिन्हित किया गया, जिन्होंने अपनी पढाई बीच में छोड़ दी थी। बालिकाओं ने इस दौरान जो अपनी रूचि दिखाई, उनमें खास तौर पर सिलाई, कटिंग व डिजाईन प्रशिक्षण, खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण व ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण के बारे में थी।

(ए) 15 दिवसीय सिलाई, कटिंग व डिजायन प्रशिक्षणः माह मई 2018 में झझू, गंगापुरा व दासौड़ी में 15 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण प्रारम्भ किये गये जिनमें बालिकाओं को सिलाई में कटिंग व वर्तमान बाजार की मांग के अनुसार कपड़ों में विभिन्न डिजाइनों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षणों में उषा इन्टरनेशनल द्वारा प्रशिक्षित व स्थानीय मास्टर ट्रेनर्स का सहयोग लिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को सबसे पहले 3–4 दिन तक विभिन्न प्रकार की कटिंग करना सिखाया गया। उसके बाद बालिकाओं व महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले स्थानीय उत्पाद, जैसे सलवार कुर्ता, चोली घाघरा, ब्लाउज, स्कर्ट, समीज आदि सिलना सिखाया गया। तीनों बैच के समापन पर बालिकाओं द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी प्रशिक्षण स्थल पर लगाई गई, जिनको बालिकाओं के अभिभावकों व गांव के मुखिया लोगों ने देखकर सराहा और इस कार्य को आजीविका के रूप में प्रारम्भ करने के लिये बालिकाओं को प्रेरित किया। तीनों प्रशिक्षणों में कुल 90 बालिकायें उपसिथत थी, जिनमें से 53 बालिकायें स्वयं स्पोन्सर्ड या उनके भाई बहिन स्पोन्सर्ड थे।

(बी) 7 दिवसीय फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण: परियोजना क्षेत्र के गांवों की 14 से 18 वर्ष की स्पोन्सर्ड बालिकाओं के साथ दिनांक 20 से 26 अप्रेल 2018 तक बज्जू केम्पस में 7 दिवसीय फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में गड़ियाला, पेथड़ासर, शंभु का भुर्ज, बेरा देदावतान, गिरान्धी, लाखासर, बज्जू व झझू की कुल 31 बालिकाओं ने भाग लिया जिनमे से 25 बालिकायें स्वयं स्पोन्सर्ड या स्पोन्सर्ड परिवार से थी।

प्रशिक्षण मे गृह विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर की दक्ष प्रशिक्षिका शबाना ने 7 दिनों के दौरान बीकानेर जिले की प्रमुख फसलों, विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों व उनके प्रसंस्करण करने की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी कि अपना क्षेत्र कम वर्षा वाला है और पूरे साल हरी सब्जियां नहीं मिल पाती, इसलिये कैर सांगरी, ग्वार फली जैसी सब्जियों को सुखाकर रखना चाहिये। इसके अलावा इनमें शामिल पोषक तत्वों के बारे में बालिकाओं को विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बाजरे का केक व कुरकुरे, कैर सांगरी नींबू, मिर्च व कैरी का अचार व टमाटर का सॉस बनाना बनाना सिखाया। इन सबके साथ साथ व्यक्तित्व विकास, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक व मानसिक परिवर्तन, आत्मरक्षा, बाल विवाह रोकथाम व बाल अधिकारों के बारे में विभिन्न सत्रों में बालिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

(सी) 15 दिवसीय ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण (मई 2018): संस्था परिसर, बज्जू में 15 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न गांवों से 33 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जिनमें से 27 स्वयं या उनके भाई बहिन स्पोन्सर्ड थी। इस प्रशिक्षण में महिला सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा सौन्दर्य के प्रकार जैसे शारीरिक व व्यवहारगत सुन्दरता के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा 15 दिनों के दौरान थ्रेडिंग, वैक्सिंग, ब्लीच, पेडिक्योर, मैनीक्योर, फेशियल, हेयर वॉश एण्ड क्लीनिंग, मेहन्दी, कॉटन कटिंग, दुल्हन सजाना व साड़ी पहनाने के बारे में प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा बालिकाओं को व्यक्तित्व विकास, किशोरावस्था में बालिकाओं में होने वाले शारीरिक व मासिक परिवर्तन, स्वच्छता व पर्यावरण, पंचायतीराज व्यवस्था आदि के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया।

(डी) 7 दिवसीय ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण (जनवरी 2019): बीच में पढाई छोड़ने वाली स्पोन्सर्ड परिवारों की किशोरी बालिकाओं को कौशल विकास हेतु प्रशिक्षित करने के उद्येश्य से माह जनवरी 2019 में 7 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण के 2 बैच प्रारम्भ किये गये। जिनमें एक बैच नई 25 किशोरी बालिकाओं के लिये व एक बैच एडवांस कोर्स के रूप में उन बालिकाओं को शामिल किया गया जिन्होंने गत वर्ष के 15 दिवसीय ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण में भाग लिया था व इनके अलावा जिन बालिकाओं को ब्यूटीपार्लर का थोड़ा बहुत काम आता है। प्रशिक्षणों के दौरान बालिकाओं को ब्यूटीपार्लर के माध्यम से जीविकोपार्जन, इसकी विभिन्न प्रकार की विधियां जैसे थ्रेडिंग, वेक्सिंग, पेडिक्योर, मेनिक्योर, आईब्रो, ब्लीचिंग, फेशियल, हेयर स्टाइल, मेहन्दी लगाने व दुल्हन सजाने आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

जिन बालिकाओं ने एडवांस कोर्स में भाग लिया उनमें से शंभु का भुर्ज की निरमा ने मई 2019 में, गोविन्दसर की कमला ने फरवरी में, मियाकौर की कोमल व सन्ध्या ने मई में, दासौड़ी की मूली ने जून में, मोटावता की पूजा ने मार्च के बाद, सुरजड़ा की पाना ने अप्रेल में, गिरान्धी की हीरा ने जून में, गड़ियाला की नीलम व झझू की निरमा ने अगले साल 12वीं पढाई पूरी करने के बाद ब्यूटीपार्लर का अपना काम प्रारम्भ करने का प्लान बताया। **माह अगस्त 2018 में राववाला में व फरवरी 2019 में गोविन्दसर में 1 ब्यूटीपार्लर प्रारम्भ किया गया है।**

(ई) 30 दिवसीय टाई एण्ड डाई प्रशिक्षण: बालिकाओं के कौशल विकास के उद्येश्य से बीकानेर की स्वयंसेवी संस्था जन शिक्षण संस्थान, बीकानेर के सहयोग से गड़ियाला गांव की 20 बालिकाओं के साथ एक माह का बंधेज का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में गांव की ही प्रशिक्षिका काली बानो ने यह प्रशिक्षण दिया। इस दौरान बालिकाओं को बाजार की मांग व डिजाइनों के अनुसार चुन्नी दुपट्टा, रूमाल आदि पर कंकर, मोठ, गेहूं व धान की गांठें लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा रंगों के इस्तेमाल के बारे में सिखाया गया। इस प्रशिक्षण से अपनी

पढाई बीच में छोड़ चुकी बालिकाओं को हाथ का एक हूनर मिला है। इन बालिकाओं को संस्था के आयवर्द्धन कार्यक्रम से जोड़ने का कार्य किया जायेगा। इसके अलावा बंधेज कार्य का बाजार मुख्यतः हरियाणा के हिसार व शेखावाटी क्षेत्र में है।

4. **क्लस्टर स्तरीय स्वयं सहायता समूह लेखा संधारण एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण**: इस माह दो दिवसीय क्लस्टर स्तरीय लेखा प्रबन्धन एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण, प्लान क्षेत्र के सियाणा, नेणिया व खिन्दासर व दासौड़ी में आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षणों में बकरी पालक समूहों की कुल 119 सदस्यों को लेखा संधारण की आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के लेखा पुस्तिकाओं जैसे बचत रजिस्टर, बैठक कार्यवाही रजिस्टर, ऋण रजिस्टर, रोकड़ रजिस्टर व व्यक्तिगत पासबुक आदि नियमित संधारण के, फायदे, लेखा संधारण की जिम्मेदारी आदि के बारे में दक्ष प्रशिक्षक द्वारा विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों को दीर्घावधि तक संचालन के लिये आवश्यक पंचसूत्र– नियमित बैठक, नियमित बचत, आपसी लेनदेन, ऋणों का समय पर भुगतान व सामान्य रिकॉर्ड संधारण आदि के पालन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।
5. **बकरी पालक परिवारों (समूह सदस्यों) के साथ बकरियों के स्वास्थ्य प्रबन्धन, आहार व घरों में बकरियों के रखरखाव व मार्केटिंग आदि विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण**: जो स्वयं सहायता समूह, बकरी पालन आधारित आजीविका कार्यक्रम के तहत् गत वर्ष चयन किये गये थे, उनके साथ बकरियों के स्वास्थ्य प्रबन्धन, आहार, रखरखाव व मार्केटिंग आदि विषयों पर प्लान क्षेत्र के गांवों में दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इन दो दिवसीय प्रशिक्षणों में संस्था के सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा समूहों के सदस्यों को बकरियों की विभिन्न नस्लों व नस्ल सुधार, विभिन्न प्रकार की बीमारियां व उनके उपचार, बकरियों के आहार व उचित आवास, एवं बाजार व्यवस्था पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।
6. **बकरी पालक समूहों की महिलाओं के आजीविका प्लान का प्रशिक्षण**: बकरी पालक स्वयं सहायता समूहों के आजीविका प्लान तैयार करने के लिये प्लान क्षेत्र के गांवों में बकरी पालक समूहों के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में आजीविका प्लान बनाने के उद्येश्यों, प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके बाद समूहों के सभी सदस्यों से घर में मासिक आय व खर्च का विवरण प्राप्त करके प्रपत्र में जानकारी संकलित की गई ताकि घर के खर्चों में कमी व बकरी पालन के माध्यम से आयसृजन की जा सके।
7. **पांच दिवसीय पशु सखी प्रशिक्षणः** बकरी पालन आधारित आजीविका कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों में से ही 15 पशु सखियों का चयन करके इस माह 5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा पशु सखी के गुण, गरीबी की परिभाषा, संतुलित पशु आहार, बकरियों के लिये प्रतिदिन की खुराक, पशु आवास की साफ सफाई, गर्भाधान, नवजात की देखभाल, गाय, भैंस व बकरियों की प्रमुख नस्लों, प्रजनन के प्रकार, पशुओं की शारीरिक संरचना, प्रमुख बीमारियां व उनके उपचार, पशुओं में टीकाकरण, पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं, पशुओं का शारीरिक तापमान, गर्भकाल व परिपक्वता आदि की जानकारी दी गई। इसके अलावा बकरी पालन व्यवसाय के लिये ध्यान में रखी जाने वाली जरूरी बातों के बारे में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान संस्था परिसर में मॉडल कृषि फार्म का भ्रमण करवाया गया जिसमें अजोला घास, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक विधि से तैयार सब्जियों व फलों की खेती आदि के बारे में पशु सखियों ने जानकारी प्राप्त की। संस्था परिसर में ही निर्मित गायों के आवास के बारे में भी पशु सखियों को जानकारी दी गई।

इसके अलावा प्रशिक्षण के चौथे दिन पशुओं में होने वाली बीमारियों की रोकथाम व उपचार हेतु जो दवाईयां काम में आती हैं उनके उपयोग, नाम, मात्रा आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अन्तिम दिन सभी पशु सखियों को उनके कार्यों के बारे में फिर से दोहरान किया गया व 17 तरह की दवाओं व कुछ औजार प्राथमिक चिकित्सा किट भी दिया गया। दवाओं के नाम, उपयोग, मात्रा आदि का विवरण हिन्दी में टाइप करवाकर प्रत्येक पशु सखी को दिया

गया ताकि फील्ड में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। इसके साथ साथ उनको यह सलाह भी दी गई कि अपने क्षेत्र के पशु चिकित्सक से निरन्तर सम्पर्क बनाये रखें और उनके मोबाइल नम्बर अपने पास रखें ताकि जरूरत पड़ने पर उनसे पशु चिकित्सकीय सलाह ली जा सके।

8. **पीयू स्टाफ के साथ समीक्षा एवं नियोजन बैठकः** बकरी पालन आधारित आजीविका के प्रति संस्था के कार्यकर्ताओं की समझ बढाने व इस कार्य को फील्ड स्तर पर गति देने के उद्येश्य से संस्था स्टाफ का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बकरी पालन आधारित आजीविका कार्यक्रम के विभिन्न चरणों, बीमारियों के लक्षण व उनके उपचार, पशु सखी की भूमिका, मॉनिटरिंग आदि के बारे में जानकारी दी गई।
9. **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजन— 2019:** दिनांक 7—8 मार्च 2019 को बज्जू संस्था परिसर में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं के साथ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस बार यह समारोह, संस्था के अन्य कार्यक्रम के साथ समन्वयन करके आयोजित किया गया जिसमें संस्था के आयवर्द्धन कार्यक्रम से जुड़ी दस्तकार महिलाओं ने भी भाग लिया। समारोह में मुख्य रूप से लिंग समानता, बालिका सशक्तिकरण, समाज में महिलाओं का विकास व उत्तरदायित्व आदि विषयों पर केन्द्रित रहा। समारोह में महिलाओं व बालिकाओं ने खुलकर अपने विचारों व अनुभवों के बारे में बताया, जिनमें महिलाओं ने आज से 25 साल पहले की स्थिति व वर्तमान में जो बदलाव आये हैं उनके बारे में बताया। इसके अलावा पहले लड़कियों को ज्यादा नहीं पढाते थे और आज जो बदलाव आये हैं और स्कूलों में बालिकाओं के नामांकन की जो बढोतरी हुई हैं, उनके बारे में भी अपने विचार साझा किये।

उरमूल कृषि फार्म

उरमूल कृषि फार्म के माध्यम से बीकानेर जिले के नहरी व बारानी क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि, सोलर वाटर पम्प, बूंद बूंद सिंचाई, वर्मी कम्पोस्ट व कम पानी में होने वाली सब्जियों व फलदार पौधों की खेती को प्रदर्शन के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

उत्पादन की ओर बढ़ते कदम्..................

उरमूल कृषि फार्म, बज्जू में आज से 3 वर्ष पूर्व जब यहॉ केवल मिट्टी के धोरे (sand dunes) हुआ करते थे उस समय उरमूल बज्जू के समस्त कार्यकर्त्ताओं के सामूहिक प्रयास से धोरे को समाप्त कर 4 बीघा जमीन को समतल बनाया गया तथा साथ ही फलदार पौधों को लगाने के लिये खड्डे तैयार किये गये। इन खड्डों में देशी खाद—गोबर का प्रयोग किया गया। इस रेतीली जमीन में कृषि कार्य करना इतना आसान नहीं था। इस बंजर जमीन में बार—बार केंचुआ खाद, देशी खाद मिला कर भूमि को कृषि के योग्य बनाया गया।

वर्तमान में उरमूल कृषि फार्म में 77 ऑवला, 131 नींबू व कीनू, 33 अनार, 42 गुन्दा, 21 शहतूत, 14 मेहन्दी, 6 बेर, 12 कनेर व 18 मिक्स फलदार पौधे जीवित है। वर्तमान में अनार व नींबू की अच्छी पैदावार हो रही है। चूंकि ये फलदार पौधे तीसरे वर्ष के पश्चात् फलों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। बीते वर्ष कुछ पौधों में फल आने शुरू हो गये थे, लेकिन उनका उत्पादन नहीं लिया गया।

सर्दी ऋतु में संस्था की गायों को चराने हेतु बरसिम व जोई का बहुतायत में उत्पादन किया जा रहा है। साथ ही साथ में एक बीघा क्षेत्र में चने की पैदावार की गई है।

इस वर्ष फार्म में फलों व सब्जियों की अच्छी पैदावार हो रही है। अनार लगभग 200 से 300 ग्राम वजन की लगी है तथा नींबू भी करीब 50 से 100 ग्राम तक के वजन के हैं। प्रत्येक पौधे में ड्रिप एरिगेशन सिस्टम लगाया गया है जो कि बूंद बूंद सिंचाई करता है। वर्षा के पानी का जल भराव, कृषि फार्म में बनाये गये टॉके में किया जाता है व टॉके से फार्म में पानी सप्लाई हेतु 1 हॉर्स पावर का सबमर्सिबल पम्प लगाया गया है जोकि सोलर लाईट से चलता है जिससे बिजली की बचत हो रही है तथा बूंद बूंद सिंचाई से पौधों में करीब 12 से 14 इंच तक पानी की सप्लाई व नमी बनी रहती है। इस वर्ष उत्पादित हो रहे नींबू तथा अनार के विक्रय हेतु स्थानीय बाजार में सम्पर्क किया गया।

- फार्म में जो 3 खेळियां अजोला घास के तैयार की गई थी उन्हें अब आगामी खरीफ फसल की तैयारी हेतु केंचुआ खाद के लिये उपयोग में लिया जा रहा है। केम्पस में अजोला की 3 खेळियों के अलावा गायों के छपरे के पास भी एक और यूनिट तैयार की गई है, जिनमें अजोला का उत्पादन करके गायों को खिलाया जा रहा है।
- उरमूल फार्म में वर्तमान में 4 गायें व 8 बछड़ियां हैं। गायों के गोबर व वर्मी कम्पोस्ट व गोमूत्र से खेती के लिये कीटनाशक तैयार किया जा रहा है। फार्म में एक दूधारू गाय, बज्जू के राईका परिवार ने भेंट की है। वर्तमान में चार गायें दूध दे रही है। इसके अलावा अभी एक पक्का छपरा और बनवाया गया। पक्के छपरे पर कुल लागत कुल 3 लाख 30 हजार रूपये आई है।
- परिसर में एक किचन गार्डन विकसित किया गया है, जिसमें सब्जियों के उत्पादन के लिये मेस में उपयोग में लिये गये पानी को काम में लिया जा रहा है। इस गार्डन में सर्दी के ऋतु के अनुसार विभिन्न प्रकार की सब्जियां जैसे बैंगन, लहसुन, पालक, मूली, धनिया व बथुआ तैयार की गई है, जिसका उपयोग मेस व बाजार में किया गया।

उषा सिलाई स्कूल

- उषा इन्टरनेशनल के सहयोग से कोलायत व पूगल क्षेत्र में कुल 9 सिलाई स्कूल, बज्जू खालसा, बज्जू तेजपुरा, आरडी 931, 2 एडी, डण्डकला, भेलू, बीठनोक, डेली तलाई एवं मिठड़िया में संचालित किये जा रहे हैं। इन सिलाई स्कूलों के माध्यम से अब तक कुल 519 महिलाओं ने सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में 60 महिलायें इन सिलाई स्कूलों में प्रशिक्षणरत हैं।
- इनके अलावा 10 क्लासिकल स्कूल भी माह फरवरी 2016 में खोले गये थे। माह नवम्बर 2017 में क्षेत्र के 10 पुरूषों का सिलाई प्रशिक्षण आयोजित किया गया और 10 सिलाई स्कूल माह दिसम्बर 2017 से प्रारम्भ किये गये हैं।
- **प्रशिक्षु टेलर्स प्रशिक्षणः** पुरूष क्लासिकल सिलाई स्कूलों के माध्यम से प्रशिक्षित टेलर्स का 2 दिवसीय प्रशिक्षण माह फरवरी 2019 में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण में गड़ियाला के प्रशिक्षक नत्थूराम ने ऊषा इन्टरनेशनल के साथ जुड़कर सिलाई कार्य, सिलाई मशीन मरम्मत व सिलाई सिखाकर होने वाली आय के बारे में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी 10 प्रशिक्षु टेलर्स को ऊषा इन्टरनेशनल का मॉड्यूल व बोर्ड दिया गया।

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर लाभार्थी
1	स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान	71	733	333
2	ओपन स्कूल परीक्षा– 2017–18	2	26	2
3	शाला प्रबंधन समिति बैठकें	23	360	53
4	रीडिंग केम्पेन	12	1350	233
5	बाला स्कूल विजिट	18	3269	207
6	शिक्षा संवाद	23	688	585
7	भामाशाह जन सहयोग	0	291	27
8	शाला प्रबंधन विकास समिति व शाला प्रबंधन समिति की सूची बनाना	3	46	0
9	शाला प्रबंधन समिति व अभिभावक बैठक	5	83	13
10	शैक्षिक धरना	1	207	23

1. **स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान**ः प्लान कार्यक्षेत्र के गांवों में बीच में पढाई छोड़ने वाले स्पोन्सर्ड बच्चों की पहचान हेतु सर्वे किया गया। सर्वे में पढाई बीच में छोड़ने के विभिन्न कारणों का पता चला, जिनमें मुख्य रूप से शादी होना, पढाई में रूचि न होना, स्कूल का घर से दूर होना, घर का काम करना, छोटे भाई बहनों की देखभाल करना, परिवार की रूचि न होना आदि। सर्वे के बाद इन बच्चों को स्कूल से जोड़ने या फिर कौशल विकास के प्रशिक्षणों से जोड़ने का कार्य किया गया।
2. **ओपन स्कूल परीक्षा– 2017–18**ः ओपन परीक्षा हेतु क्षेत्र के थुमली व खारिया पतावतान की 26 बालिकाओं चयन किया गया था। अभिभावकों ने अपने स्तर पर बीकानेर में रहकर अपनी बेटियों की यह परीक्षा दिलवाई।
3. **शाला प्रबंधन समिति बैठकें:** उरमूल सीमांत समिति व प्लान इंडिया के सहयोग से में उच्च प्राथमिक विद्यालय गोविंदसर, दियातरा, झझू, नैणिया, गंगापुरा, बज्जू, डण्डकला, शास्त्रीनगर, गोविंदसर, खारिया पतावतान और सीनियर सैकण्डरी स्कूल सियाणा, भेलू, सुरजडा व झझू आदि में शाला प्रबंधन समिति की बैठकों का आयोजन शिक्षा विभाग के साथ मिलकर किया गया। इन बैठकों में अर्द्धवार्षिक परीक्षा, स्कूलों में बच्चों का ठहरावयुक्त नामांकन व भौतिक उपस्थिति, स्पोन्सर छात्र–छात्राओं का शैक्षिक उन्नयन और सरकार की योजनाओं के बारे में भी बातचीत की गई।

4. **रीडिंग कैम्पेनः** इस अवधि में रीडिंग कैम्पेन कार्यक्रम का आयोजन सीनियर सैकण्डरी स्कूल– झझू, सुरजड़ा, भेलू व गड़ियाला और उच्च प्राथमिक विद्यालय– बज्जू, 4 सीडी, भेलू, थूमली, नैणिया व गंगापुरा आदि के छात्र–छात्राओ के लिये, शिक्षा में एक नवाचार के रूप में रीडिंग कैम्पेन की शुरुआत की गई ताकि बच्चों को पुस्तकालय की पुस्तकों, पाठ्य सामग्री आदि के माध्यम से जेण्डर के प्रति जागरूक किया जा सके। इस विषय पर दूसरे व चौथे शनिवार को बालसभा में गीत, कविता, कहानी, नाटक, भाषण, चित्र, पोस्टर प्रतियोगिता, शैक्षिक नवाचार के रूप में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, एकल अभिनय इत्यादि के माध्यम से जागरूक करके व्यवहारगत परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया।

5. **बाला स्कूल विजिटः** उरमूल सीमांत समिति स्टाफ ने बाला स्कूल के कार्य को लेकर उच्च प्राथमिक विद्यालय गड़ियाला, गोविंदसर, दियातरा, बज्जू, छिला कश्मीर, गंगापुरा व सीनियर सैकण्डरी स्कूल घंटियाली व सियाणा के छात्र–छात्राओं व शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ विस्तार से बातचीत की गई ताकि बाला के कार्य की गुणवत्ता को ठीक से परखा जा सके। इन सभी स्कूलों के 1408 बालक, 1265 बालिका, स्पोन्सर 207 छात्र–छात्रा सहित कुल 2673 बच्चों ने भाग लिया। स्कूल के स्टाफ के साथ बातचीत करके देखा गया कि इस तरह की विधा से स्कूल के सभी बच्चों के सीखने, उनके अनुशासन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा व ठहरावयुक्त नामांकन आदि पर बहुत अधिक असर पड़ता है। आशा है कि इस तरह की गतिविधि से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये सहायक सिद्ध होगी।

बाला स्कूल –वर्तमान नामांकन

क्रम स.	स्कूल का नाम	बालक	बालिका	योग
1	राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, गोविंदसर	112	88	200
2	राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, दियातरा	99	89	188
3	राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, सियाणा	155	192	347
4	राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, घंटियाली	196	236	432
5	राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, गंगापुरा	25	74	88
	योग	**587**	**679**	**1266**

6. **शिक्षा संवादः** उरमूल सीमांत समिति द्वारा प्लान इंडिया के वित्तीय सहयोग से एक दिवसीय शिक्षा संवाद का आयोजन घंटियाली, भेलू, खिंदासर, सांखला बस्ती, बीठनोक, सुरजड़ा, मोटावतान, कोलासर पश्चिम, सोलंकियों की ढाणी, नोखड़ा, दियातरा, गिराजसर, पंचपीठ की ढाणी, गिरांधी, बज्जू, डण्डकला, छिला कश्मीर, चारणवाला, झझु, दासौड़ी, गड़ियाला व गंगापुरा गांवों में किया गया। इस शिक्षा संवाद के माध्यम से स्पोन्सर बच्चों व समुदाय के अन्य सभी बच्चों को शिक्षा की मूल विचार धारा से किस तरह से जोड़ा जाए ताकि उन सभी बच्चों का भविष्य सुरक्षित रखा जा सके। इस संवाद में शिक्षक, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, बच्चों के अभिभावकों व स्वयं बच्चों को भी बुलाया गया ताकि सभी की राय को एक मंच पर चर्चा करके एक राय बनाई जा सके।

सर्वे की रिपोर्ट का विवरण निम्न प्रकार से हैः

इस कार्य को करने से पूर्व ही उरमूल प्लान के फील्ड स्टाफ ने सर्वे करने का कार्य किया गया ताकि सभी 71 गांवो की वस्तुस्थिति का ठीक से पता चल सके। सभी बच्चों का स्कूल से नही जुड़ने के पीछे कोई तो कारण होगा, उसी का पता लगाया गया ताकि प्रत्येक बच्चों को ध्यान में रखते हुए उसके अनुसार उसे लाभ दिलाया जा सके।

7. **भामाशाहों का सहयोग (केस स्टडी)**

राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, गोविंदसर। सत्र 2018–19 में शाला प्रबंधन समिति, समुदाय, अभिभावक, शिक्षक, सरपंच, प्रधान, उरमूल सीमांत व प्लान इंडिया के प्रयासों से निम्न लिखित कार्य पूर्ण किए गए है और आगे भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्कूल में छात्रों से छात्राओं का नामांकन अधिक है। स्कूल में छात्र 140, छात्रा 151 कुल 291 हैं व भौतिक उपस्थिति 100 प्रतिशत रहती है।

इस स्कूल के लिए समुदाय के सभी लोगों ने अपनी निष्ठा से जनसहयोग करने का बहुत ही सराहनीय कार्य किया है जिसका विवरणः–

क्रम सं.	सामग्री का नाम	दान दाता का नाम	सामग्री	दर	राशि
1	सीलिंग फेन	अभिभावक व शाला प्रबंधन समिति	8	1650	13200
2	नगद राशि	अभिभावक व शाला प्रबंधन समिति	0	0	7500
3	दरी बड़ी (खादी)	अभिभावक व शाला प्रबंधन समिति	1	7500	7500
4	दरी (छोटी)	अभिभावक व शाला प्रबंधन समिति	3	1000	3000
5	वाटर कूलर	सरपंच	2	5000	100000

6	प्याऊ	सरपंच	1	0	250000
7	टीन सेट	श्री जयवीर सिंह, प्रधान	1	0	500000
8	सेनेटरी कोंम्प्लेस	अभिभावक व शाला प्रबंधन समिति	1	0	300000
9	स्कूल का कलर	सरपंच	1	0	250000
10	श्री गोविंद राम	शिक्षक	0	0	2500
11	श्री गणपतराम गोदारा	रिटायर शिक्षक	0	0	11000
					1444700

8. **शाला प्रबंधन विकास समिति व शाला प्रबंधन समिति की सूची बनानाः** फील्ड स्टाफ द्वारा नए चयनित और पुराने सरकारी स्कूलों में शाला प्रबंधन समिति अथवा शाला विकास एवं प्रबंधन समिति का पुनर्गठन करने हेतु शाला प्रबन्धन व अभिभावकों के साथ एक मीटिंग करके नए सिरे से कार्य किया गया है। इस कमेटी में सभी की पूर्ण भागीदारी को भी देखा गया है ताकि उक्त कमेटी प्रभावी रूप से कार्य कर सके।
9. **बाला स्कूल कार्य**ः उरमूल—प्लान, बज्जू द्वारा राउप्रावि गोविंदसर व सीनियर सैकण्डरी स्कूल घंटियाली में बाला स्कूलों में पेंटिंग का कार्य कराया गया ताकि इस कार्य से बच्चों का शैक्षिक उन्नयन के साथ सर्वांगीण विकास किया जा सके और बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों के साथ जन भागीदारी को भी बढ़ाया जा सके। इस विधा से स्कूल के सभी बच्चों के सीखने, उनके अनुशासन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, ठहरावयुक्त नामांकन आदि पर बहुत अधिक असर पड़ता है।
10. **शाला प्रबंधन समिति व अभिभावक बैठकः** तीन स्कूलों— सीनियर सैकण्डरी स्कूल झझू व भेलू और राउप्रावि—खारिया पतावतान में शाला प्रबंधन समिति व अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इन बैठकों में 17 महिला, 21 पुरुष, 2 छात्र, 1 छात्रा, 11 स्पोन्सर परिवार के लोग सहित कुल 41 सदस्यों ने भाग लिया। बैठकों में बच्चों के सीखने, उनके अनुशासन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, ठहरावयुक्त नामांकन व बाला स्कूल को लेकर विस्तार से बातचीत हुई।
11. **शैक्षिक धरनाः** राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, गोविंदसर में शिक्षा की व्यवस्था के अंतर्गत शिक्षा में गुणवत्ता, स्कूल को कक्षा 10 तक करने, शिक्षकों की संख्या 3 से 7 तक करने, जिसमें कम से कम एक महिला शिक्षिका का होना अनिवार्य किया गया है। इसके पीछे कारण यह है कि 66 छात्र व 36 छात्रा राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, बीठनोक में नियमित रूप से अध्ययन करने के लिए टेक्सी या बस में छत के ऊपर बैठकर जाते है, पढ़ाई के साथ—साथ सुरक्षा की भी परेशानी है। इस बात पर संस्था के शिक्षा समन्वयक, बाल सुरक्षा एवं बाल सहभागिता के समन्वयक व फील्ड स्टाफ ने दिनांक 8 सितंबर 2018 को शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों के सामने बात रखी। सभी का विचार था कि यदि सरकार ने समय पर निर्णय नही लिया तो सभी ग्रामीण एक साथ धरना देकर अपनी बात को शिक्षा के सभी अधिकारियों के साथ रखेंगे। जब इस विषय पर अधिकारियों ने कोई सुनवाई नहीं की तो ग्रामीणों ने दिनांक 15 सितंबर 2018 से स्कूल के सामने धरना शुरू कर दिया। **परिणामस्वरूप सरकार ने गांव की उचित मांग का समर्थन करते हुए आगामी गोविन्दसर के राउप्रावि को 10वीं तक क्रमोन्नत करने की स्वीकृति प्रदान की है।**

उरमूल स्कूल— बज्जू

कक्षा	बालक	बालिका	योग
नर्सरी	4	6	10
एलकेजी	2	4	6
यूकेजी	—	2	2
1	3	6	9
2	2	3	5

3	3	2	5
4	1	—	1
5	1	3	4
6	3	1	4
8	2	2	4
योग	**21**	**29**	**50**

- सत्र 2018–2019 के दौरान 21 बच्चों ने दूसरे विद्यालयों से उरमूल स्कूल में प्रवेश लिया ।

- 21 बच्चों में से 12 बच्चों ने जब प्रवेश लिया था तब बच्चों की पढ़ाई की स्थिति कमजोर थी, वर्तमान में बच्चों की शैक्षिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है।
- स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस और बाल दिवस के दौरान बच्चों व शिक्षकों ने कार्यक्रमों में भाग लिया।
- प्रत्येक बच्चे का जन्मदिन स्कूल में मनाया जाता है।
- स्वतंत्रता दिवस पर पूनम सब्जी भण्डार, बज्जू की तरफ से उरमूल स्कूल को वाटर कूलर भेंट किया गया।
- हर शनिवार को बच्चों को बालसभा भी करवायी जाती हैं जिसमें बच्चे गीत, कविता, कहानी, चुटकुले आदि सुनाते हैं और बच्चों को चित्रकला प्रतियोगिता भी करवायी जाती हैं।
- स्कूल में अध्ययनरत 50 बच्चों की कुल फीस 1,25,400 रूपये व गाड़ी किराये की राशि 1,21,000 रूपये कुल राशि 2,46,400 रूपये होती है, जिनमें से 77,669 रूपये प्राप्त हो चुकी है और वर्तमान में 1,68,731 रूपये बकाया है।

कुल बच्चे	स्कूल फीस	गाड़ी किराया	कुल फीस	कुल जमा	कुल बकाया
50	**1,25,400**	**1,21,000**	**2,46,400**	**77,669**	**1,68,731**

आरकेसीएल

क्र.सं.	विवरण	लड़के	लड़कियां	योग
1	आर.के.सी.एल में नये प्रवेश	05	05	10
2	परीक्षा में पास होने वाले लर्नर की संख्या	01	00	01
3	आगामी परीक्षा में बैठने वाले लर्नर	04	05	09

1. **आर.के.सी.एल. में नये प्रवेश**: इस बार आर.के.सी.एल. में 10 नये लडके और लड़कियों ने प्रवेश लिया जिनको नोटपेड, वर्डपेड, एम.एस. पेन्ट, एम.एस. वर्ड, एक्सेल एवं इन्टरनेट का प्रेक्टिकल करवाया गया तथा कम्प्यूटर फण्डामेन्टल थ्योरिटिकल के पाठ सिखाये गये।
2. **आगामी परीक्षा में बैठने वाले लर्नरः** आगामी परीक्षा में कुल 9 छात्र छात्राओं की परीक्षा होगी, जिसमें 4 लडके एवं 5 लडकियां होंगी।
3. **आर.के.सी.एल के लिए प्रचार प्रसारः** आर.के.सी.एल. में नए छात्र एवं छात्राओं की संख्या बढ़ाने के लिए हमने अखबारों में पेम्पलेटस बंटवाये, स्कूलों में सत्र लिए और अध्यापक व बच्चों से बातचीत की ताकि छात्रों की संख्या में वृद्धि हो सके।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास कार्यक्रम (ईसीसीडी)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	अभिभावक बैठकें	189	2987	425
2	आंगनबाड़ी केन्द्र विजिट	84	1680	153
3	अभिभावक विकास कार्यक्रम आमुखीकरण कार्यशाला	1	39	3
4	सैक्टर बैठकों में आंगनबाड़ी की सेवाओं का फोलोअप	10	173	26
5	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशा सहयोगिनियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण	1	36	8
6	आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पेन्टिंग कार्य	4	107	25
7	प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के फॉर्म भरे गये	10	233	0

1. **अभिभावक बैठकें**: माह अप्रेल 2018 से मार्च 2019 के दौरान छोटे बच्चों के अभिभावकों के साथ कुल 189 बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में बच्चों की वृद्धि एवं विकास के बारे में बात की गई। उन्हें जानकारी दी गई कि बच्चों के विकास की प्रक्रिया सतत् चलती रहती है। आयु बढने के साथ साथ बच्चे का शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, क्रियात्मक, भाषात्मक व सामाजिक विकास होता रहता है।
   प्रथम 6 माह में बच्चे के हाथ पैर हिलाने, वस्तुओं को पकड़ने, 6 से 12 माह तक सहारे के साथ उठने व बैठने, अपने आप खेलने, पूछी गई बात का जवाब देने, 1 से 2 साल में आसानी से चलने, अपने आप खाने व 2 से 3 साल में वस्तुओं की पहचान करने व छोटे मोटे कामों में मदद करने का काम करने लग जाता है। विकास कई अवस्थाओं में से गुजरता है जैसे किसी अवस्था में तेज तो किसी में सामान्य या धीमा। अभिभावकों को बच्चों की वृद्धि के बारे में बताया कि इसमें आकार परिवर्तन होता है जो एक आयु सीमा तक होती है।
2. **आंगनबाड़ी केन्द्र विजिट**: विजिट के दौरान बच्चों के विकास, पोषण, पूरक पोषाहार, शाला पूर्व शिक्षा आदि सेवाओं के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। इसके अलावा कुपोषण की रोकथाम हेतु नियमित वजन निगरानी एवं घर पर ही बच्चों की देखभाल की सलाह दी गई।
3. **अभिभावक विकास कार्यक्रम आमुखीकरण कार्यशाला**: दो दिवसीय कार्यशाला में बच्चों की देखभाल में माता पिता दोनों की जिम्मेदारियों, बच्चों के शारीरिक व मनोवैज्ञानिक गतिविधियों के माध्यम से विकास के चरणों, विभिन्न स्तरों पर खतरों से बच्चों की सुरक्षा, घर व समुदाय में शिक्षण वातावरण का निर्माण आदि मुद्‌दों पर प्रशिक्षण दिया गया।
4. **सैक्टर बैठकों में आंगनबाड़ी की सेवाओं का फोलोअप**: बैठकों में आंगनबाड़ी की सुवाओं का मूल्यांकन, शिक्षण सामग्री का उपयोग आदि विषयों पर समझ पुख्ता की गई।
5. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशा सहयोगिनियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण**: परियोजना क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशा सहयोगिनियों के साथ भूमिका, जेण्डर, स्वप्रेरणा एवं बच्चों की देखरेख व विकास के बारे दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। भूमिका के बारे में बताया गया कि समुदाय का सहयोग लेना, प्रत्येक बच्चे का नियमित वजन लेना व ग्रोथ चार्ट में प्रविष्ट करना, अति कुपोषित बच्चों को रेफर करना, वर्ष में एक बार क्षेत्र के सभी परिवारों का सर्वे करना, 3 से 6 साल के बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा देना, पूरक पोषाहार देना, महिलाओं को स्वास्थ्य व पोषण की सेवायें उपलब्ध कराना आदि मुख्य रूप से कार्य करने होते हैं।
6. **आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पेन्टिंग कार्यः** इस अवधि के दौरान परियोजना क्षेत्र के बीठनोक, मोटावता, खारा लोहान व खाखूसर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेन्टिंग का कार्य करवाया गया। पेन्टिंग में मुख्य रूप से हिन्दी व अंग्रेजी वर्णमाला, फल, सब्जियों, पशु पक्षियों, फूल, स्वर ज्ञान, रंग, आकार, अंग्रेजी व हिन्दी में सप्ताह के सात दिन, शरीर के अंग, घड़ी, गिनती, रोशनी के स्त्रोत, यातायात के साधन, खरगोश व कछुए की कहानी, दैनिक

समय सारिणी व इन्द्रधनुष आदि के चित्र बनवाये गये ताकि केन्द्र के बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा व दैनिक काम में आने वाली जानकारियां मिल सकें।

7. **प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के फॉर्म भरे गये**: गड़ियाला व हदां क्लस्टर के गांवों में प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के फॉर्म भरे गये। भारत सरकार की इस योजना के अन्तर्गत पहले प्रसव वाली गर्भवती व धात्री महिलाओं को 3 किश्तों में नगद लाभ दिया जाता है ताकि उन महिलाओं को प्रसव के दौरान व बाद में बच्चे की देखभाल की अवधि पर जो मजदूरी का नुकसान होता है, उसके लिये सरकार द्वारा 3 किश्तों में 5000 रूपये तक का सहयोग किया जाता है।

समेकित बाल विकास परियोजना, कोलायत

- **कोलायत परियोजना में आंगनबाडी केन्द्रों का विवरण:**

माह	कुल स्वीकृत		संचालित		आं.बा. कार्यकर्ता	सहायिका	आशा सहयोगिनी	मिनी कार्यकर्ता
	मुख्य	मिनी	मुख्य	मिनी				
अप्रेल 2018	194	41	187	17	163	157	17	130
मई 2018	194	41	188	17	163	157	17	130
जून 2018	194	41	188	17	163	157	17	130
जुलाई 18	194	41	188	17	163	157	17	130
अगस्त 18	194	41	187	17	166	157	17	130
सितम्बर 18	194	41	188	17	166	157	17	130
अक्टूबर 18	194	41	188	17	166	157	17	130
नवम्बर 18	194	41	188	17	166	157	17	130
दिसम्बर 18	194	41	188	17	166	157	17	130
जनवरी 2019	194	41	188	17	166	157	17	130
फरवरी 2019	194	41	188	17	166	157	17	130
मार्च 2019	194	41	188	18	166	158	18	130

- **गरम पूरक पोषाहार:** कोलायत परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वर्ष 3 से 6 के बच्चों को महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित गरम पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाया जा रहा है—

क्र.सं.	माह	केन्द्र की संख्या	लाभार्थी
1	अप्रेल 2018	200	2129
2	मई 2018	199	1988
3	जून 2018	199	2185
4	जुलाई 18	199	2153
5	अगस्त 18	200	2123
6	सितम्बर 18	200	1983
7	अक्टूबर 18	200	1973
8	नवम्बर 18	181	1883
9	दिसम्बर 18	199	2168
10	जनवरी 2019	200	2232
11	फरवरी 2019	200	2250
12	मार्च 2019	200	2188

- **वजन निगरानी:** प्रतिमाह आंगनबाड़ी केन्द्र पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा द्वारा महिला पर्यवेक्षक के साथ मिलकर केन्द्र के बच्चों का वजन किया जाता है। जिस पर सामान्य, कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण कर अभिभावकों को उचित परामर्श दिया जाता है। इसके अलावा अतिकुपोषित बच्चे पाये जाने पर उन्हें बीकानेर एमटीसी सेन्टर भेजा जाता है।

क्र.सं.	माह	केन्द्र की संख्या	सामान्य	कुपोषित	अतिकुपोषित
1	अप्रेल 2018	200	7259	268	0
2	मई 2018	199	7422	270	0
3	जून 2018	199	7231	263	0
4	जुलाई 18	199	7427	265	0
5	अगस्त 18	200	7458	277	0
6	सितम्बर 18	200	7211	277	0
7	अक्टूबर 18	200	7112	277	0
8	नवम्बर 18	201	7153	267	0
9	दिसम्बर 18	201	7421	263	0
10	जनवरी 2019	201	7452	273	0
11	फरवरी 2019	201	7515	267	0
12	मार्च 2019	201	7744	263	0

- **प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना (पीएमएमवीवाई):** इसके तहत 1 जनवरी 2017 के बाद जन्म लेने वाले लड़के/लड़की की माता के खाते में तीन किश्तों के तहत 5,000 रुपए की राशि जमा करवाई जाती है। इसके लिए महिला का पंजीकरण एलएमपी दिनांक के तीन माह में सीएचसी/पीएचसी/उपस्वास्थ्य केन्द्र पर होना आवश्यक है। इसके अलावा सम्पूर्ण टीकाकरण व बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र आवश्यक है।

क्र.सं.	माह	ए	बी	सी	योग
1	अप्रेल 2018	0	0	0	0
2	मई 2018	0	0	0	0
3	जून 2018	0	0	0	0
4	जुलाई 18	435000	888000	252000	1575000
5	अगस्त 18	155000	190000	92000	437000
6	सितम्बर 18	62000	92000	16000	170000
7	अक्टूबर 18	103000	192000	68000	363000
8	नवम्बर 18	3000	0	0	3000
9	दिसम्बर 18	19000	52000	32000	103000
10	जनवरी 2019	0	0	0	0
11	फरवरी 2019	0	0	0	0
12	मार्च 2019	0	0	0	0

- **आरआरएस (रेपिड रिपोर्टिंग सिस्टम) मासिक प्रगति रिपोर्टः** प्रतिमाह आंगनबाड़ी केन्द्रों की मासिक प्रगति रिपोर्ट को विभागीय साईट पर ऑनलाईन फीड किया जाता है।

क्र.सं.	माह	जमा रिपोर्ट
1	अप्रेल 2018	197
2	मई 2018	196
3	जून 2018	197
4	जुलाई 18	196
5	अगस्त 18	197
6	सितम्बर 18	197
7	अक्टूबर 18	197
8	नवम्बर 18	197
9	दिसम्बर 18	198
10	जनवरी 2019	199
11	फरवरी 2019	200
12	मार्च 2019	174

- **आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षणः** प्रतिमाह बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) तथा महिला पर्यवेक्षक द्वारा परियोजना के आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण कर विभाग द्वारा निर्धारित राजधारा मोबाईल एप्प में रिपोर्ट भेजी जा रही है।

क्र.सं.	माह	निरीक्षण रिपोर्ट
1	अप्रेल 2018	212
2	मई 2018	248
3	जून 2018	129
4	जुलाई 18	249
5	अगस्त 18	128
6	सितम्बर 18	112
7	अक्टूबर 18	91
8	नवम्बर 18	132
9	दिसम्बर 18	125
10	जनवरी 2019	125
11	फरवरी 2019	91
12	मार्च 2019	0

- **राष्ट्रीय पोषण मिशन कार्यक्रमः** राष्ट्रीय पोषण मिशन कार्यक्रम के तहत सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अन्नप्राशन एवं गोद भराई की रस्म अदा की गई।

क्र.सं.	माह	अन्नप्राशन	गोद भराई
1	अप्रेल 2018	298	85
2	मई 2018	212	92
3	जून 2018	328	80
1	जुलाई 18	179	86
2	अगस्त 18	196	84
3	सितम्बर 18	135	73

4	अक्टूबर 18	560	472
5	नवम्बर 18	579	457
6	दिसम्बर 18	562	472
7	जनवरी 2019	92	133
8	फरवरी 2019	97	141
9	मार्च 2019	89	134

- **मतदाता जागरूकता बैठकें:** विधानसभा व लोकसभा चुनावों के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों में मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक करने के लिए बैठकों का आयोजन किया गया। क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के लिये 227 केन्द्रों पर 12,730 लोगो को मतदान के लिए जागरूक करते हुए शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार लोकसभा चुनावों के लिये भी क्षेत्र के मार्च 2019 के दौरान 35 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर करीब 750 लोगों के साथ जागरूकता बैठकें आयोजित की गई।
- **मुख्यमंत्री अमृत आहार योजनाः** इस योजना के तहत सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गर्भवती/धात्री/किशोरी बालिकाओं के लिए 456 ग्राम तथा 3–6 वर्ष के बच्चों के लिए 360 ग्राम के पैकेड स्किम्ड मिल्क पाउडर (दूध) की आपूर्ति की गई है। गर्भवती/धात्री महिलाओं तथा किशोरियों के लिए 19 ग्राम प्रतिदिन (सप्ताह में तीन दिन) तथा 3–6 वर्ष के बच्चों को 15 ग्राम प्रतिदिन (सप्ताह में तीन दिन) के हिसाब से दिया जा रहा है। माह दिसम्बर 2018 के बाद विभाग द्वारा यह दूध परियोजना में उपलब्ध नहीं करवाया गया है।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोंसर परिवार
1	ग्राम जल, स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति बैठकें	88	1067	156
2	मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस	129	3182	291
3	चेतना बैठक	65	802	64
4	चेतना शिविर	5	56	8
5	माहवारी के दौरान स्वच्छता व सेनेटरी निर्माण विषयक 3 दिवसीय प्रशिक्षण	15	48	19
6	किशोरियों को सेनेट्री नेपकिन वितरण	13	408	46
7	विश्व स्तनपान सप्ताह	23	384	68
8	टीकाकरण में सहयोग	28	562	27
9	स्वास्थ्य संवाद	24	852	82
10	किशोरो के साथ प्रजनन एवं लैंगिक स्वास्थ्य पर दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण	07	112	36
11	किशोरी प्रशिक्षक प्रशिक्षण (पीयर एज्यूकेटर)	02	79	26
12	स्नेह शिविर	05	177	11
13	स्नेह शिविर फोलोअप	14	330	24

1. **ग्राम जल, स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति बैठकें:** बैठकों के दौरान आगामी कार्य योजना पर बातचीत की गई और सरकार के दिशा निर्देशानुसार पुनर्गठन को लेकर चर्चा की गई। समिति की बैठकों में अनटाइड फण्ड को लेकर बातचीत की गई। गंगापुरा में ग्राम जल, स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति बैठक में निकलकर आया कि समिति फण्ड में 2000 रूपये शेष है। इस पर सदस्यों ने निर्णय लिया और इस बार उन्होंने अनटाइड फण्ड से बड़ी दरी खरीद ली। मोटावतान और गंगापुरा में पुनः टीकाकरण शुरू किया गया है। ग्राम जल, स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति की बैठकों में स्वच्छता व कुपोषण पर चर्चा की, जैसे झझू गाँव में कुपोषण को लेकर चर्चा हुई कि अगर हम नव प्रसूताओं को पौष्टिक आहार देते हैं तो उनमें कुपोषण की स्थिति नहीं आयेगी जिससे नवजात शिशुओं को भी भरपूर पौष्टिक तत्व स्तनपान के माध्यम से मिलेंगे

और महिलायें व किशोरियाँ गाँवों में सबसे ज्यादा एनिमिक होती हैं तो उनके लिये आयरन फोलिक एसिड की गोलियों को उप स्वास्थ्य केन्द्र व आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बंटवाये जिससे एनिमिक होने की स्थिति में कमी लाई जा सके। समिति की बैठकों में ग्राम पंचायत सदस्यों के साथ आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ए.एन.एम., स्वयं सहायता समूह के सदस्य व गाँव के जागरूक लोग शामिल हुये।

2. **मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस**ः इन बैठकों के दौरान निम्न मुद्दों पर बातचीत की गई–
   - टीकाकरण समय पर हो रहा है या नहीं।
   - बच्चों में अति कम वजन को लेकर बात हुई और उनको रेफर करने की बात। इस दौरान गिराजसर के दो अति कम वजन के बच्चों को आशा सहयोगिनी द्वारा रेफर करवाया गया।
   - गर्भवती महिलाओं को प्रसवपूर्व जाँच के बारे में बताया गया, जैसे गर्भावस्था के दौरान अपना खास ध्यान रखना चाहिये। हर प्रसवपूर्व जांच में खून, पेशाब व रक्तचाप आदि की जांच करवानी चाहिए।
   - गर्भवती माताओं को जोखिम चिन्हों व ममता कार्ड को लेकर जानकारी दी गई। उनके पोषण पर भी जोर दिया गया। इस दौरान माताओं को जानकारी दी गई कि 10 से 18 वर्ष की जो किशोरियां हैं उन्हें टी.टी. बूस्टर का टीका जरूर लगवाना चाहिये और सप्ताह में आयरन फोलिक एसिड की एक गोली किशोरी बालिकाओं को जरूर खानी चाहिये जो कि आशा सहयोगिनी के पास उपलब्ध होती हैं। अगर गाँव में आशा नहीं है तो ए.एन.एम. के पास भी आयरन फोलिक एसिड की गोलियाँ उपलब्ध रहती हैं।
3. **चेतना बैठकः** बैठकों में गर्भवती महिलाओं को निम्न जानकारियाँ दी गई जैसे– पहली ए.एन.सी जाँच पहली माहवारी छूटते ही, दूसरी गर्भावस्था के चौथे से छठे महीने में, तीसरी गर्भावस्था के सातवें से आठवें महीने में और चौथी गर्भावस्था के नवें महीने में जाँचे कराना बहुत जरूरी है। समय पर टीकाकरण, वजन निगरानी और परिवार नियोजन के साधनों को लेकर व स्वास्थ्य सुविधाओं पर बात करते हुए संतुलित आहार व आराम को लेकर बात की गई।
4. **चेतना शिविर**ः वर्ष के दौरान कुन 2 चेतना शिविर– चानणनगर व मिठड़िया मार्ग गांवों में आयोजित किये गये। शिविरोंमें आये लाभार्थियों को स्तनपान के लाभ, मां और बच्चे का प्रसव के पहले, दौरान व बाद में ध्यान रखने योग्य बातों व पोषण आदि के बारे में जानकारियां दी गई।
5. **माहवारी के दौरान स्वच्छता व सेनेटरी निर्माण विषयक 3 दिवसीय प्रशिक्षण**ः किशोरी बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छताके बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा सेनेटरी निर्माण के बारे मे भी विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया और निर्माण में साफ सफाई व अन्य बातों के बारे में भी जानकारी दी गई।
6. **किशोरियों को सेनेट्री नेपकिन वितरण**ः 13 गांवों के विद्यालयों में 408 बालिकाओं को सेनेट्री पैड वितरित किये गये। वितरण के समय बालिकाओं को माहवारी के समय के बारे मे ंपूरी जानकारी दी गई व सेनेट्री पैड के उपयोग के बारे में बताया गया।
7. **विश्व स्तनपान सप्ताह**ः 23 गांवों में अगस्त 2018 में विश्व स्तनपान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जन्म से 6 माह तक केवल मां के दूध के महत्व के बारे में माताओं को जानकारी दी गई कि 6 माह तक केवल मां का दूध, बच्चे के लिये पर्याप्त आहार होता है। 6 माह तक बच्चे को मां के दूध के अलावा कुछ भी नहीं देना चाहिये। जन्म के समय बच्चे को मां का पहला दूध भी पिलाये जाने के बारे में प्रेरित किया गया क्योंकि मां के पहले दूध में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है।
8. **टीकाकरण में सहयोग**ः परियोजना क्षेत्र के दूरदराज के 15 गांवों में गर्भवती माताओं की प्रसव जांच, स्वास्थ्य जांच, व बच्चों के टीकाकरण हेतु वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इस दौरान 405 बच्चों व गर्भवती माताओं का टीकाकरण हुआ व माताओं की स्वास्थ्य जांच की गई।
9. **स्वास्थ्य संवाद**ः संवाद कार्यक्रम में गांवों के सामुदायिक संगठनों, जैसे किशोरी मंच की किशोरियों, किशोर मंच के किशोरों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं व समूह पदाधिकारियों, आशा सहयोगिनी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, अध्यापकों व जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस प्रकार माह मार्च 2019 तक 24 गांवों में स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें कुल 852 लोगों ने भाग लिया जिनमें से 82 स्पोन्सर परिवार से थे। इस स्वास्थ्य संवाद द्वारा कई तरह के गैप निकलकर सामने आये जो इस प्रकार है–

- स्वास्थ्य विभाग में स्टाफ की कमी
- कर्मचारियों की उदासीनता
- स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाइयों की अनुपलब्धता
- उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर कर्मचारियों का ठहराव नहीं
- दूर–दराज की ढ़ाणियों में यातायात के साधनों का अभाव
- समुदाय में जागरूकता की कमी
- सब सेन्टर पर सुविधाओं की कमी

इन सभी गैप को कम करने के लिए संबंधित विभाग को भी अपनी जवाबदेही का पूर्ण निर्वाह करना होगा और सरकार को भी स्टाफ की कमी को पूरा करने का प्रयास करना होगा। इस संवाद का उद्देश्य स्वास्थ्य व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं की जानकारी जन–समुदाय तक पहुँचाना हैं। स्वास्थ्य संवाद में– जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, एम्बूलेंस की सुविधा, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, संस्थागत प्रसव, 104–108 निःशुल्क सेवाएं, परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधन व अन्य कई सेवाओं के बारे में बताया। टीकाकरण, कुपोषण, साफ–सफाई, संस्थागत प्रसव, पौष्टिक आहार और बच्चे को 6 माह तक सिर्फ माँ का दूध ही पिलाये जाने के बारे में चर्चा की गई और संभागियो को योजनाओं की जानकारी दी गई।

10. **किशोरों के साथ प्रजनन एवं लैंगिक स्वास्थ्य पर दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण:** गड़ियाला व हदां में किशोरों के साथ दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बीठनोक, गोविन्दसर, गड़ियाला, मण्डाल, दासौड़ी, खिन्दासर, खारा लोहान, सियाणा, थूमली, खजोड़ा, नान्दड़ा, लमाणा भाटियान, हदां व बाला की गोल गांवों से 112 किशोरों ने भाग लिया जिनमें से 36 स्पोन्सर परिवारों के किशोरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में किशोरावस्था क्या हैं? किशोरावस्था की आवश्यकता जैविक व भावनात्मक दोनों ही होती हैं। जैविक में भोजन, पानी, नींद, आराम, सुरक्षा आदि। इसी प्रकार किशोरों को चार ग्रुपों में विभाजित कर उनके विचार निकलवाये गये। यौन संबंध बनाना, निर्णय नहीं ले पाना, सपनों में खोये रहना, दोस्तो की नकल करना, विपरित लिंग के प्रति आकर्षित होना इत्यादि। किशोरावस्था में ज्यादातर कौन–कौन सी बीमारियों का सामना करना पड़ता हैं–गुप्तांगों पर खाज–खुजली, यौन संक्रमण जिसमें यौन रोग शामिल है, इस अवस्था के दौरान सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हैं व समय पर सही सलाह की।

11. **किशोरी प्रशिक्षक प्रशिक्षण (पीयर एज्यूकेटर):** बज्जू में तीन दिवसीय आवासीय किशोरी जीवन कौशल और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रशिक्षण किया गया। इसमें बज्जू, गंगापुरा, मोटावतान, चिमाणा, घंटियाली, गड़ियाला, शम्भू का भुर्ज, गिरान्धी, भेलू, झझू, बाला की गोल से कुल 79 किशोारी बालिकाओं ने भाग लिया जिसमें 26 बालिकाएं स्पोन्सर परिवार से थीं। प्रशिक्षण का उद्देश्य अपनी उम्र की किशोरियों को सीखकर

सिखाना, जैसे किशोरी प्रेरणा मंच में व अन्य लड़कियों को जानकारी देना सीखना व सिखाना। इस प्रशिक्षण में किशोरियों से कमजोरियां, मजबूतियां जैसे– सबके सामने बोल सकती हूँ, अकेली बस में सफर कर सकती हैं, सबकी मदद करना, स्वयं को हर परिस्थिति में ढालना, दूसरों के सामने अपनी बात रखने की ताकत, बाहर घूमने जाना, पढ़ने के लिए बाहर जाना, कहीं भी आ जा सकना, सभी बातों को ध्यान से सुनना और समझना, मिलनसार होना, गाना गा सकती हैं, डांस करना।

12. **स्नेह शिविरः–** बारह दिवसीय स्नेह शिविर ईमामनगर, दासौड़ी, बाला की गोल, मोटावतान, गिराजसर में लगाया गया। इन गाँवों में 93 बच्चों में से 27 बच्चे सामान्य वजन में आये, शेष बच्चों की नियमित वजन निगरानी की जा रही है। अभिभावकों को सलाह दी गई कि वे अपने बच्चों को पौष्टिक आहार खिलायें ताकि सभी बच्चे सामान्य श्रेणी में आ सकें। उन्हें बताया गया कि कुपोषण से बच्चे के बचाने के लिये अपने बच्चे को पौष्टिक आहार खिलायें, समय–समय पर स्वास्थ्य जांच करवायें, वजन निगरानी करवायें, व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में सिखायें ताकि जीवन में कभी भी अस्वच्छता के कारण कोई बीमारी न लगे। क्योंकि बच्चा जैसे ही कुपोषित की श्रेणी में आयेगा तो हल्का सा जुकाम भी होने पर बच्चे को बड़ी बीमारी हो सकती हैं जैसे निमोनिया, क्योंकि कुपोषित होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।

जो 12 दिनों में सत्र लिये गये उनके मुख्य बिन्दु निम्नानुसार हैंः–

- व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व
- व्यक्तिगत स्वच्छताः आचरण की कुंजी
- हाथ धुलाई तकनीक के छः चरण
- कुपोषण के प्रकार
- कुपोषण के कारण व परिणाम
- वृद्धि अवलोकन का महत्व
- जीवन चक्र में प्रथम 1000 दिवस में पोषण एवं देखभाल की महत्ता
- संस्थागत प्रसव एवं तुरन्त स्तनपान शुरू करवाने का महत्व
- आयु के अनुसार खानपान (आहार की मात्रा, गुणवत्ता खाद्य/भोजन समूह) एवं खिलाने का तरीका
- बीमारी के समय खानपान व देखभाल
- खतरे के लक्षणों की पहचान एवं परिवार स्तर पर सामान्य बीमारियों का प्रबन्धन
- टीकाकरण का महत्व
- सकारात्मक व्यवहार वाली माताओं से चर्चा
- मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड
- एकीकृत बाल विकास विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवायें

स्नेह शिविरों के आयोजन व फोलोअप के दौरान बच्चों की पोषण स्थिति का विवरण

क्र.सं.	गांव का नाम	स्नेह शिविर के अन्तिम दिन बच्चों की पोषण स्थिति							फोलोअप के समय बच्चों की पोषण स्थिति						
		सामान्य		कुपोषित		अति कुपोषित		योग	सामान्य		कुपोषित		अति कुपोषित		योग
		M	F	M	F	M	F		M	F	M	F	M	F	
1	गिराजसर	0	0	16	9	1	6	**32**	0	3	4	5	2	0	**14**
2	ईमामनगर	0	0	6	8	0	0	**14**	3	3	5	3	0	0	**14**
3	मोटावता	0	0	11	9	1	1	**22**	7	7	0	1	3	3	**21**
4	दासौड़ी	0	0	6	7	1	1	**15**	2	1	4	7	0	1	**15**
5	बाला की गोल	0	0	3	6	0	1	**10**	0	1	3	6	0	0	**10**
TOTAL		0	0	42	39	3	9	**93**	12	15	16	22	5	4	**74**

राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम (आर.एस.आई.पी)

- आर्थिक पुर्नवास/आजीविका से जोडे गये व्यक्तियों का विवरणः

क्र. स.	नाम	पिता/पति का नाम	विकलांगता का प्रकार	गांव	पुरूष/ महिला	रोजगार का प्रकार
1	ओमप्रकाश	फूसाराम	लोकोमोटर	ल. भाटियान	पुरूष	किराणा स्टोर
2	अजीतसिंह	रामचन्द्र	लोकोमोटर	अंगनेउ	पुरूष	लोहे के बक्से बनाने का नाम
3	शिवलाल	अम्माराम	लोकोमोटर	खाखूसर	पुरूष	किराणा स्टोर
4	कालूसिंह	भंवरसिंह	लोकोमोटर	बीठनोक	पुरूष	किराणा स्टोर व दूध डेयरी
5	नत्थूराम	अनोपाराम	लोकोमोटर	गड़ियाला	पुरूष	किराणा स्टोर व सर्फ बनाना
6	बिरजू देवी	राजूराम	लोकोमोटर	झझू	महिला	सिलाई कार्य
7	भंवरीदेवी	मोहनराम	लोकोमोटर	चाण्डासर	पुरूष	सिलाई कार्य
8	पार्वती	रतनलाल	लोकोमोटर	गजनेर	पुरूष	सिलाई व रेडीमेड की दुकान
9	रामीदेवी	नत्थूराम	लोकोमोटर	गड़ियाला	पुरूष	सिलाई कार्य व सर्फ बनाना
10	सरोज	भगवानाराम	एल.वी.	कोलासर	पुरूष	मनिहारी व रेडीमेड का काम
11	मंजूदेवी	प्रेमसिंह	लोकोमोटर	ल. भाटियान	पुरूष	मनिहारी कार्य
12	जगदीश	रिड़मलराम	लोकोमोटर	बज्जू	पुरूष	सिलाई कार्य
13	कोजाराम	रामचन्द्र	लोकोमोटर	बज्जू	पुरूष	किराणा स्टोर
14	अशोक कुमार	भीखाराम	ब्लाइण्ड	गजनेर	पुरूष	किराणा स्टोर
15	मूलाराम	डूंगरराम	लोकोमोटर	गिराजसर	पुरूष	किराणा स्टोर
16	छैलूराम	तेजाराम	लोकोमोटर	मियाकौर	पुरूष	किराणा स्टोर
17	मोहनराम	चैनाराम	लोकोमोटर	गुड़ा	पुरूष	लोहे का सामान, मिस्त्री का सामान
18	सत्यनारायण	दूलाराम	लोकोमोटर	खजोड़ा	पुरूष	किराणा स्टोर
19	भंवरलाल	कानाराम	लोकोमोटर	खारी चारणान	पुरूष	किराणा स्टोर व सर्फ बनाना

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या
1	सहायक उपकरण वितरण	30
2	ग्राम पंचायत बैठकों मे भागीदारी	82
3	ट्राई साइकिल	7
4	व्हील चेयर	2
5	मोटराइज्ड ट्राई साइकिल	3
6	कान की मशीन	4
7	बैशाखी	1
8	नकली दांत	2
9	ग्राम स्तर पर सामुदायिक बैठकों मे भागीदारी	437
10	व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की संख्या	10
11	स्वयं सहायता प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की संख्या	16
12	डीपीओ सदस्य	39
13	D-P-O-प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की संख्या (जिला स्तर)	4
14	वोटर आई. डी.	10

15	पेन कार्ड	5
16	बैंक खाता	5
17	विकलांग लोगों के SHG बैठक में भागीदारी	31
18	विंकलांगों को अधिकारों की जानकारी	147
19	निःशक्त जन लोगों को RPWD Act 2016 पर प्रशिक्षण	75
20	निःशक्तजन को कृषि प्रशिक्षण	1
21	श्रमिक कार्ड	4
22	सर्फ बनाने का SHG को प्रशिक्षण	17
23	समूह को चायपत्ती का प्रशिक्षण	1
24	कोलायत में मतदाता जागरूकता रैली	107
25	राशन कार्ड	1
26	यूनिक आई. डी. कार्ड	20
27	आर्थिक पुनर्वास/आजीविका	19
28	आंगनबाड़ी की सैक्टर बैठक में भागीदारी	143
29	रोडवेज पास	12
30	पैन्शन	18
31	मुख्यमंत्री स्वरोजगार ऋण दिलवाया	4
32	पालनहार शुरू करवाई	5
33	मूल निवास प्रमाणपत्र बनवाये	1
34	मनरेगा से जोड़ा	7
35	विकलांगता प्रमाणपत्र बनवाये	6
36	विकलांगों को स्थाई रोजगार शुरू करवाये	2

बाल सुरक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	बाल विवाह रोकथाम अभियान	10	2984	318
2	किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं के साथ 5 दिवसीय नाट्य कार्यशाला	1	13	6
3	किशोरी प्रेरणा मंचों द्वारा बाल विवाह विषयक नाट्य मंचन	2	310	20
4	बाल सुरक्षा एवं पोक्सो उक्ट विष्य पर स्टाफ का क्षमतावर्द्धन कार्यशाला, जयपुर	1	6	0
5	ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं शाला प्रबन्धन समिति के साथ संयुक्त बैठकें	109	2386	363
6	बाल अधिकार मांगपत्र पर युवाओं के साथ संभाग स्तरीय व राज्य स्तरीय कार्यशाला	2	17	5
7	किशोरी प्रेरणा मंच के साथ गुड टच बैड टच विषयक प्रशिक्षण	10	526	98
8	अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर टेक ओवर कार्यक्रम	8	650	60
9	फैडरेशन गठन एवं चुनाव कार्यक्रम	7	493	92
10	मुख्य हितग्राहियों के साथ बाल विवाह रोकथाम पर बैठकें	3	105	21
11	गर्ल्स नोट ब्राइड राज्य स्तरीय लॉचिंग कार्यक्रम– जयपुर	1	6	2
12	जेण्डर चेम्पियन मॉडल को लेकर किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ बैठक	1	39	8
13	बालिका स्नेही पंचायत को लेकर बैठक	1	66	8

14	बालिका स्नेही पंचायत कार्यक्रम	8	2810	247
15	राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम	7	774	150
16	यूथ एडवाइजरी पैनल कार्यशाला, जयपुर	2	13	1
17	जेण्डर संवेदनशलता पर स्टाफ प्रशिक्षण	1	31	0
18	बाल सुरक्षा व संरक्षण विषयक कार्यशाला, जयपुर	1	7	0
19	फैडरेशन फोलोअप बैठकें	3	24	1

1. **बाल विवाह रोकथाम अभियानः** परियोजना क्षेत्र के 10 गांवों कोलायत, झझू, नोखड़ा, शंभु का भुर्ज, बेरा देदावतान, खाखूसर, पाबूसर पश्चिम व गिरान्धी में समुदाय को बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूक करने के लिये कठपुतली, नुक्कड़ नाटकों, गीतों व रैलियों के माध्यम से जानकारी दी गई व बाल विवाह रोकथाम के लिये बने कानून, इसके शारीरिक, आर्थिक व सामाजिक नुकसान आदि के बारे में बताया गया।
2. **किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं के साथ 5 दिवसीय नाट्य कार्यशालाः** गांवों में गठित किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं को बाल विवाह रोकथाम जैसे सामाजिक कार्य में भागीदारी व सक्रियता से कार्य करने के लिये 13 बालिकाओं के साथ नाट्य कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में गांवों में नाट्य मंचन करते समय ध्यान रखने वाली बातों, इसके लिये सरकारी कानून, बाल विवाह के लिये जिम्मेदार गांव के लोगों की पहचान आदि के बारे में नाअटक तैयार किया गया।
3. **किशोरी प्रेरणा मंचों द्वारा बाल विवाह विषयक नाट्य मंचनः** इस नाट्य कार्यशाला के बाद परियोजना क्षेत्र के गांवों में बालिकाओकं द्वारा नाट्य मंचन किया गया। इस मंचन में बालिकाओं ने नाट्य कार्यशाला में सिखाये अनुसार बहुत अच्छा कार्य किया। इन बालिकाओं ने नाटक के माध्यम से समुदाय को बाल विवाह रोकथाम में ग्रामीण भागीदारी के लिये जीवंत संदेश दिया।
4. **ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं शाला प्रबन्धन समिति के साथ संयुक्त बैठकें:** बैठकों में बाल अधिकार, बाल सुरक्षा, बालिका शिक्षा, स्कूल से वंचित व ड्रॉपआउट, बाल विवाह, बाल मजदूरी व ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति व ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समिति में बेहतर समन्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 के बारे में बताया गया कि भटके हुए बच्चों, गुमशुदा बच्चों, किसी भी प्रकार की शारीरिक, मानसिक प्रताड़ना आदि के लिये इस हैल्पलाईन का उपयोग किया जा सकता है। 8वीं या 10वीं के बाद बीच में पढाई छोड़ देने वाली बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिये प्रेरित करके समितियां अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं। बच्चों की सुरक्षा के प्रति समझ बढाने के लिये समिति की मासिक बैठक की उपयोगिता पर भी गहन चर्चा की गई। साथ ही शाला प्रबन्धन समिति के साथ मिलकर किस प्रकार अपने गांव की स्कूल व शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता हैं, इसके बारे में सभी संभागियों के साथ बातचीत की गई।
5. **किशोरी प्रेरणा मंच के साथ गुड टच बैड टच विषयक प्रशिक्षणः** इस विषय पर कुल 6 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में अच्छे स्पर्श व बुरे स्पर्श के बारे में पूरी तरह समझाया गया। इन दोनों के बारे में सभी किशोरियों को समझना बहुत जरूरी है। सही समझ न होने के कारण कई तरह के शोषण होने की संभावना ज्यादा रहती है। प्रशिक्षणों में विभिन्न नाटकों, कहानियों व समूह चर्चा करके गुड टच व बैड टच के बारे में स्पष्ट किया गया। शरीर के किन किन अंगों को छूने से दोनों प्रकार के स्पर्श की पहचान की जा सकती है, इसके बारे में समझाया गया।
6. **अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर टेक ओवर कार्यक्रमः** 11 अक्टूबर 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें बालिकाओं को शिक्षा, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति चर्चा की गई। इसी दौरान टेक ओवर कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। यूथ एडवाईजरी पैनल की सचिव व फैडरेशन की अध्यक्ष पेथड़ासर की सुशीला को प्लान इण्डिया के सहयोग से स्विटजरलैण्ड के दूतावास में एक दिन के लिये राजदूत का पदभार ग्रहण करवाकर उसे बाल अधिकारों का इस्तेमाल करने का अवसर दिया गया जोकि उसके जीवन में एक अविस्मरणीय पल रहा। सुशीला ने

अपनी इस नई जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। आज सुशीला, अपने गांव के आसपास के गांवों की किशोरियों के लिये रोल मॉडल बन गई है व बाल विवाह रोकथाम, बालिका शिक्षा आदि मुद्दों पर आसपास के गांवों में बालिकाओं को प्रेरित कर रही हैं।

7. **बाल अधिकार मांगपत्र पर तीन दिवसीय संभाग स्तरीय व राज्य स्तरीय कार्यशालाः** बाल अधिकार मांगपत्र को लेकर तीन दिवसीय कार्यशाला, जयपुर में आयोजित की गई। कार्यशाला में बच्चों के साथ कई तरह की गतिविधियां करवाई गई। आज के युवा, अपने स्वयं के लिये क्या चाहते हैं, इसके अनुरूप एक मांगपत्र तैयार किया गया और राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी के घोषणा पत्र में उन मांगों को शामिल करवाने का सफल प्रयास किया गया।
8. **फैडरेशन गठन एवं चुनाव कार्यक्रमः** किशोरी प्रेरणा मंचों के फैडरेशन के चुनाव करवाये गये। चुनाव में फैडरेशन के अध्यक्ष, सचिव, शिक्षामंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, आजीविका मंत्री, बाल सुरक्षा मंत्री व स्वच्छता मंत्री के लिये उम्मीदवार खड़े किये गये। इन उम्मीदवारों ने किशोरी बालिकाओं में प्रचार प्रसार भी किया। जीतने पर फैडरेशन के लिये किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया गया। इसके बाद मतदान हुआ, जिसमें अलग अलग पद के लिये अलग अलग मतपेटियां रखी गई। इसके बाद उपस्थित सभी बालिकाओं ने मतदान किया। फैडरेशन के पदाधिकारियों द्वारा प्रत्येक दूसरे माह अपनी बैठकें करने का निर्णय लिया गया।
9. **मुख्य हितग्राहियों के साथ बाल विवाह रोकथाम पर बैठकः** गड़ियाला व चिमाणा क्लस्टरों पर मुख्य हितग्राहियों के साथ बैठकें आयोजित की गई। इन दोनों बैठकों में 13 गांवों के कुल 105 लोगों ने भाग लिया। बैठकों के दौरान इस क्षेत्र में होने वाले बाल विवाहों जैसी सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम के लिये चर्चा की गई। इसकी रोकथाम के लिये समुदाय स्तर पर जागरूकता की जरूरत है। यदि गांव के रसोइये, घोड़ी बाजे वाले, पण्डित, नाई आदि जो शादियों में मुख्य भूमिका निभाते हैं, उनको गांवों में होने वाले बाल विवाहों का बहिष्कार करना चाहिये।
10. **गर्ल्स नोट ब्राइड राज्य स्तरीय लॉचिंग कार्यक्रमः** 17 दिसम्बर 2018 को जयपुर में गर्ल्स नोट ब्राइड अभियान के तहत् आयोजित लॉचिंग कार्यक्रम में बज्जू क्षेत्र के 4 किशोरी बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में यूथ एडवाइजरी पैनल की सचिव पेथड़ासर की सुशीला ने उपस्थित संभागियों के सामने अपने अनुभवों को साझा किया व गांवों की किशोरियों को आगे बढाने के लिये प्रेरित किया। इसके अलावा सुशीला, बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल शोषण के खिलाफ पैरवी कर रही हैं।
11. **जेण्डर चेम्पियन मॉडल को लेकर किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ बैठकः** दिनांक 31 अक्टूबर को गड़ियाला क्लस्टर पर प्लान इण्डिया से आये सत्यजीत व उनकी टीम ने अलग अलग गांवों से आई किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं से संवाद किया। बालिकाओं के साथ किस तरह की समस्याएं हैं जो उनको आगे बढने से रोकती हैं व जिसमें उनकी शिक्षा, सामाजिक लिंग भेद व कौशल विकास मुख्य रूप से हैं। उन्होंने बालिकाओं के लिये कौशल विकास की महत्ता बताते हुए अपना कैरियर बनाने के लिये प्रेरित किया।
12. **सामुदायिक संगठनों के साथ बाल स्नेही पंचायत को लेकर बैठकः** दिनांक 31 अक्टूबर 2018 को गड़ियाला के अटल सेवा केन्द्र में सामुदायिक संगठनों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में प्लान इण्डिया से सत्यजीत व उनकी टीम ने बैठक में उपस्थित पंचायत सदस्यों, ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति के सदस्यों, एवं शाला प्रबन्धन समिति सदस्यों से बाल स्नेही पंचायत हेतु किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बाल स्नेही पंचायत बनाने के लिये सामुदायिक संगठनों का ग्राम स्तर पर प्रयास बहुत जरूरी हैं।
13. **बालिका स्नेही पंचायत कार्यक्रमः** समुदाय के सहयोग से ग्राम पंचायतों को बालिका स्नेही पंचायत के रूप में स्थापित करवाने पंचायतों की बैठकों में बालिकाओं से सम्बन्धित मुद्दों को शामिल करवाने, 6 से 14 वर्ष के

सभी बच्चों का शाला में नामांकन व भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करवाने के उद्येश्य से प्लान क्षेत्र की 8 ग्राम पंचायतों दियातरा, गिराजसर, मण्डाल (गोविन्दसर गांव), झझू, नान्दड़ा, सियाणा, खाखूसर, सुरजड़ा को बालिका स्नेही पंचायतें घोषित करवाई गई। ग्राम पंचायतों की बैठकों में जन प्रतिनिधियों ने बालिकाओं से सम्बन्धित मुद्दों को शामिल करने के प्रति अपनी सहमति प्रकट की है। ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति, शाला प्रबन्धन समिति एवं ग्राम जल, स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता समिति की बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने एवं उनमें रहे गेप्स को पंचायत की बैठकों में रखने का प्रयास शुरू होने लगा है।

चाइल्ड हेल्पलाईन 1098

9 माह के दौरान चाइल्ड लाईन के तहत 25 गांवों में समुदाय के सभी वर्ग के लोगों के साथ सत्र लिये गये जिसमें 19 गांव प्लान कार्यक्षेत्र के थे तथा 6 गांव नोन प्लान क्षेत्र से थे। इन गांवों में बच्चों को 1098 पर कॉल कराने का डेमो भी किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 3317 लोगों को चाइल्ड लाईन 1098 के बारे में जानकारी मिली।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	स्कूल सत्र	25	1382
2	सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें	03	151
3	युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्र	08	390
4	ग्राम पंचायतों बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र	15	179
5	स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों का प्रशिक्षण	06	140
6	किशोरी बालिकाओं के साथ सत्र	32	575
7	चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह	07	445
8	किशोर मंचों के साथ बैठक	03	55

1. **स्कूल सत्रः** चाइल्ड लाईन के बारे में स्कूली छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से कुल 25 सत्र लिये गये। सत्रों में बाल अधिकारों व शिक्षा की गुणवत्ता पर भी बात की गई।
2. **सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें:** चाइल्ड लाईन के बारे में समुदाय को जागरूक करने के उद्देश्य से 3 सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें की गई। बैठकों में इसके अलावा बाल विवाह व बाल मजदूरी विषयों पर भी चर्चा की गई व इनके लिये बने हुए कानूनों के बारे में जानकारी दी गई।
3. **युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्रः** युवाओं के साथ आयोजित 8 सत्रों में जेजे एक्ट एवं पोक्सो कानून, चाइल्ड लाईन 1098 के बारे में जानकारी दी गई।
4. **ग्राम पंचायतों की बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र**ः पंचायत प्रतिनिधियों को चाइल्ड लाईन 1098 के प्रति जागरूक करने के लिये ग्राम पंचायतों के साथ बैठकें की गई।
5. **स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों का प्रशिक्षण**ः पूर्व में गठित कुल 6 चाइल्ड राईट क्लबों के साथ 5 व 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षणों में संभागियों को चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा बाल सुरक्षा व घर, स्कूल व गांव में होने वाले किसी भी प्रकार के बाल शोषण की रोकथाम में चाइल्ड राईट क्लबों की भूमिका के बारे में बताया गया।
6. **किशोरी बालिकाओं के साथ सत्रः** सबसेन्टर स्तर पर किशोरी बालिकाओं के साथ चाइल्ड लाईन 1098 को लेकर सत्र आयोजित किये गये।इस दौरान 1098 पर डेमो कॉल भी करके बताई गई।
7. **डेमो कॉलः** सामुदायिक संगठनों की विभिन्न बैठकों व प्रशिक्षणों में 1098 की डेमो कॉल करवाकर संभागियों को 1098 की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया गया। 36 डेमो कॉल करवायी गयी।

8. **चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताहः—** पंचायत स्तर पर चाइल्ड लाइन से दोस्ती कार्यक्रम किया गया। उसमें 445 बच्चों ने भाग लिया उसमें 1098 की विशेष जानकारी दी गई व बाल अधिकार के बारें में बताया गया।

9. **किशोर मंच के साथ बैठकः—** किशोर मंच के 3 गठन किये गये उसमें 55 किशोरों ने भाग लिया और अपने विचार रखे और विकास के बारें में बातचीत की गई।

चाइल्ड लाईन पर प्राप्त केस का विवरणः

क्र.सं.	केस का प्रकार		संख्या
1	चिकित्सा सहायता हेतु	बच्चों के मेडिकल प्रमाण—पत्र बनाने में सहयोग किया	12
2	शोषण से मुक्ति हेतु	बाल विवाह, बाल शोषण व बाल मजदूरी	16
3	स्पोन्सरशिप हेतु	सरकारी योजनाओं से जोड़ना, पालनहार योजना, विकलांगता पेन्शन	18
4	भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु	स्कूल से सम्बन्धित केस	12
5	गुमशुदा बच्चे	बच्चों को उनके माता—पिता से मिलाना	0
	योग		**58**

जल, पर्यावरण एवं स्वच्छता कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर
1	बाल क्लब बैंठकें	129	1705	404
2	पंचायत सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों के साथ परम्परागत जल स्त्रोत के रखरखाव व उपचार के लिए प्रशिक्षण	08	124	43
3	किशोरी प्रेरणा मंच पदाधिकारियों के साथ जल व स्वच्छता विषयक दो दिवसीय प्रशिक्षण	02	82	25
4	शौचालय मरम्मत कार्य	11	2969	142
5	पानी टंकी मरम्मत कार्य	10	2513	159
6	हाथ धुलाई दिवस 2018	6	1937	79
7	विश्व शौचालय दिवस 2018	6	1512	150
8	अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवस 2019	5	916	94

1. **बाल क्लब बैठकें**: इस अवधि के दौरान कुल 129 बैठकें हुई। इन बैठकों में 1063 बालक बालिका शामिल हुये जिसमें 404 स्पोंसर परिवार से थे। बैठकों में स्कूल को स्वच्छ रखने, कमरों की साफ—सफाई, शौचालय की साफ—सफाई, पानी टंकी की साफ—सफाई, स्कूल के मैदान की साफ—सफाई, स्कूल में लगे पेड़ पौधों की सुरक्षा कैसे रहे इत्यादि पर चर्चा की गयी। बैठकों के बाद स्कूल में बच्चे प्रत्येक कमरे में कचरापात्र रखने लग गए हैं। पानी की टंकी की साफ—सफाई होने लग गयी है। शौचालय में पानी की सुविधा उपलब्ध करवाने से साफ सफाई वाले शौचालय हो गए हैं।

2. **पंचायत सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों के साथ परम्परागत जल स्त्रोत के रखरखाव व उपचार के लिए प्रशिक्षणः** यह प्रशिक्षण गांवों में कुल 124 लाभार्थियों के साथ किया गया जिसमें 43 स्पोंसर परिवार से थे। इसमें बताया गया कि जो अपने क्षेत्र में परम्परागत जल स्त्रोत है जैसे कुआं, बावड़ी, तालाब व कुण्ड हैं, इनके रखरखाव को हमें देखना होगा उन्हे संरक्षित करना होगा क्योंकि आने वाले समय में पानी की समस्या आने वाली है कोई भी वर्तमान में पानी की बचत नहीं कर रहा है। हमें अभी से पानी का बचाव करना चाहिए, व्यर्थ जल नहीं बहने देवें व इन मुद्दों को ग्राम पंचायत बैठक में रखें व इस पर कार्य किये जाने को लेकर चर्चा भी करें।
3. **किशोरी प्रेरणा मंच के पदाधिकारियों के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षणः** कुल 2 प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिनमें गिराजसर, गड़ियाला, पेथडासर, शंभु का भूर्ज, कोलासर पश्चिम, बेरा देदावातान और देवडासर से 82 बालिकाओं ने भाग लिया, जिसमें से 25 स्पॉन्सर परिवार से थी। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि अपने अपने गाँव के स्कूल में पानी व शौचालय की व्यवस्था पर ध्यान देना होगा। इन मुद्दों पर पैरवी करनी होगी ताकि गाँव व स्कूल स्वच्छ रहें। ग्राम पंचायत में जाकर बैठक के दौरान स्कूल की व्यवस्था पर चर्चा करनी होगी। अपने अपने स्कूल में हर कक्षा रूम में कचरापात्र रखें। स्कूल परिसर में एक जगह निर्धारित किया जा सकता है जहां कचरा डाल कर नष्ट किया जा सके। पानी की टंकी की समय समय पर साफ सफाई करवाने के लिए अपने अध्यापकों को कहें।

4. **शौचालय मरम्मत कार्यः** माह अप्रेल 2018 से मार्च 2019 के दौरान कुल 11 स्कूलों में शौचालय मरम्मत करवाये गये। शौचालयों की मरम्मत होने से बालिकाओं का स्कूल में ठहराव भी होने लगा है। पहले बालिकायें आधी छुट्टी के बाद घर चली जाती थी। सोलंकियों की ढाणी में तो शौचालय के बाहर चारदीवारी बनाने से बच्चों की सुरक्षा भी हुई है। पहले शौचालय खुले में था शौचालय की साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखने को कहा गया।
5. **पानी टंकी मरम्मत कार्यः** कुल 10 स्कूलों में पानी की टंकी का मरम्मत कार्य किया गया। पहले बच्चे कुंड से पानी निकाल कर पीते थे। अब बच्चों को स्वच्छ पानी टंकी से पीने को मिल रहा हैं और पानी पीते समय कपड़े व पैर भी खराब नहीं होते। स्कूल में अध्यापकों को कहा गया हैं कि पानी की टंकी की नियमित साफ सफाई और टंकी को ढककर रखवाने का कहा है ताकि पानी साफ रहे।
6. **हाथ धुलाई दिवसः** कुल 6 गांवों सुरजड़ा, सियाणा, बज्जू, दियातरा, दासौडी व घंटियाली में हाथ धुलाई दिवस मनाया गया। इस आयोजन में 1937 बच्चों ने भाग लिया जिसमें से 79 स्पोन्सर परिवार से थे। बच्चों को साफ सफाई के बारे में बताया गया, बच्चों को हाथ धोने के सही तरीके के बारे में और हाथ नहीं धोने पर होने वाली बीमारियों के बारे में बताया। बच्चों ने अपने परिवार में भी हाथ नहीं धोने पर होने वाली बीमारियों के बारे में बताया है और स्कूलों में भी बच्चे हाथ धोकर खाना खाने लगे हैं।
7. **विश्व शौचालय दिवसः** कुल 6 स्थानों पर विश्व शौचालय दिवस मनाया गया जिसमें शौचालय की उपयोगिता के बारे में चर्चा की गयी। नियमित शौचालय का प्रयोग करने, शौच जाने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह से धोने इत्यादि के बारे में गाँव में रैली निकाल कर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।
8. **अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवसः** 22 मार्च 2019 को कार्यक्षेत्र के 5 स्थानों पर अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर परम्परागत जल स्त्रोतों के रखरखाव व संरक्षण पर बैठकों में गांव के लोगों के साथ मिल कर परम्परागत जल स्त्रोतों को दर्शाने के लिए एक नक्शा नजरी बनाया, जिसमें पूरे गांव के घरों, रास्तों, सार्वजनिक स्थानों, स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, धार्मिक स्थान आदि के साथ पूरे गांव में पानी के परम्परागत जल स्त्रोत व वर्तमान में सरकार की ओर से बनाये गये जल स्त्रोतों को दर्शाया गया, जिसमें सभी संभागियों ने भागीदारी निभाई। उसके बाद इस नक्शे पर चर्चा करके बातचीत को शुरू किया गया। आज से पचास साल

पहले पानी की उपयोगिता, पानी को देवता की तरह पूजना, पानी को बचाने के तरीके, परम्परागत जल स्त्रोतों की देखभाल आदि पर विस्तार से चर्चा हुई।

इसके बाद संस्था द्वारा वर्तमान व पुराने जमाने में पानी के उपयोग का विश्लेषण लोगों के सामने प्रस्तुत किया। समय रहते पानी को बचाने व दुरूपयोग रोकने का काम करना करने की जरूरत के बारे में बताया। वर्षा जल का अधिक से अधिक उपयोग व भण्डारण करने का काम करके हम अपने व भविष्य के लिए पानी बचा सकेंगे।

नेशनल लेवल मॉनिटरिंग

- **रेगूलर मॉनिटरिंग (चरण प्रथम)–** माह अक्टूबर 2018 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के रेगूलर मॉनिटरिंग कार्य के प्रथम चरण की मॉनिटरिंग का कार्य महाराष्ट्र के अमरावती व यवतमाल एवं गुजरात के छोटा उदेपुर, दाहोद, पंचमहल व माहीसागर जिलों में किया गया।

इसके अन्तर्गत भारत सरकार के ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं जैसे मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम (पेन्शन योजनायें), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना– वाटरशैड यूनिट (पीएमकेएसवाई), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट (डीआईएलआरएमपी) एवं पंचायतीराज मंत्रालय की ग्राम पंचायतों आदि की मॉनिटरिंग का कार्य किया गया।

- **विशेष मॉनिटरिंग कार्य (ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम)** इसके अलावा माह दिसम्बर 2018 में मंत्रालय द्वारा ''सबकी योजना सबका विकास'' के तहत् जन योजना अभियान की स्पेशल मॉनिटरिंग के कार्य का जिम्मा संस्था को दिया। इसके तहत् उत्तरप्रदेश के 4 जिलों बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, हरदोई एवं जम्मू कश्मीर के बारामूला व बांदीपोरे जिलों में भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2018 से 31 दिसम्बर 2018 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिये ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभायें आयोजित करके जन भागीदारी से ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने व इसके प्रचार प्रसार करने का लक्ष्य, राज्यों को दिया था। इस मॉनिटरिंग में मुख्य रूप से सभी 29 विभागों के फ्रन्टलाईन वर्करों की नियुक्ति, ग्राम पंचायत स्तर पर फेसिलिटेटर की नियुक्ति, मिशन अन्त्योदय सर्वे व विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन की मॉनिटरिंग की गई।
- **रेगूलर मॉनिटरिंग (द्वितीय चरण)** माह फरवरी 2019 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के रेगूलर मॉनिटरिंग कार्य के प्रथम चरण की मॉनिटरिंग का कार्य उत्तरप्रदेश राज्य के रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ, कौशाम्बी, चित्रकूट व हमीरपुर जिलों में किया गया।

  इसके अन्तर्गत भारत सरकार के ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं जैसे मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम (पेन्शन योजनायें), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना– वाटरशैड यूनिट (पीएमकेएसवाई), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट (डीआईएलआरएमपी) एवं पंचायतीराज मंत्रालय की ग्राम पंचायतों आदि की मॉनिटरिंग का कार्य किया गया।

स्पोन्सरशिप कार्यक्रम

कम्यूनिकेशन का प्रकार	अप्रेल 2018			मई 2018			जून 2018		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	131	131	0	37	37	0	438	433	5
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	3	3	0	1	1	0	35	34	1
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	2	2	0	6	6	0	2	2	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	7	7	0	2	2	0	6	6	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	33	33	0	26	26	0	27	27	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	131	131	0	65	65	0	156	156	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	28	28	0	22	22	0	23	23	0
ई–मेल कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	1	1	0	1	1	0	3	3	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	1	1	0	3	3	0	7	7	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	1	1	0	0	0	0
डिजीटल स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**337**	**337**	**0**	**164**	**164**	**0**	**697**	**691**	**6**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**30**			**39**			**26**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	जुलाई 2018			अगस्त 2018			सितम्बर 2018		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	547	533	14	308	298	10	115	111	4
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	44	41	3	11	11	0	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	3	3	0	0	0	0	2	2	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	4	4	0	2	2	0	4	4	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	24	24	0	36	36	0	33	33	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	25	25	0	78	78	0	109	109	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	11	11	0	29	29	0	28	28	0
ई–मेल कम्यूकेशन	5	5	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	1	1	0	1	1	0	1	1	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	2	2	0	7	7	0	6	6	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	1	1	0
डिजीटल मिक्स कम्यूनिकेशन	13	13	0	23	23	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	8	8	0	2	2	0	0	0	0
कुल	**687**	**670**	**17**	**497**	**487**	**10**	**299**	**295**	**4**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**49**			**135**			**16**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	अक्टूबर 2018			नवम्बर 2018			दिसम्बर 2018		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	191	182	9	31	30	1	67	65	2
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	1	1	0	1	1	0	2	2	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	1	1	0	2	2	0	0	0	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0	2	2	0	7	7	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	1	1	0	73	73	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	202	202	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	14	14	0	18	18	0	11	11	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	72	72	0	19	19	0	92	92	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	10	10	0	17	17	0	15	15	0
ई—मेल कम्यूकेशन	0	0	0	11	11	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	1	1	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	1	1	0	4	4	0	2	2	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटलमिक्स कम्यूनिकेशन	1	1	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**295**	**286**	**9**	**380**	**379**	**1**	**197**	**195**	**2**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**26**			**18**			**25**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	जनवरी 2019			फरवरी 2019			मार्च 2019		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	89	89	0	106	105	1	12	12	0
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	1	1	0	7	7	0	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	3	3	0	3	3	0	2	2	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	1	1	0	2	2	0	7	7	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	18	18	0	12	12	0	25	25	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	98	98	0	116	116	0	188	188	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	17	17	0	0	0	0	29	29	0
ई—मेल कम्यूकेशन	0	0	0	3	3	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	1	1	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	6	6	0	1	1	0	0	0	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूनिकेशन	0	0	0	6	6	0	0	0	0
डिजीटलमिक्स कम्यूनिकेशन	0	0	0	2	2	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	9	9	0	0	0	0
कुल	**232**	**232**	**0**	**267**	**266**	**1**	**264**	**264**	**0**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**14**			**26**			**38**		